epaper.dehatsandesh.com

3 सेना ने जम्मू में देखभाल और सहायता के माध्यम से मुस्कान फैलाई

5 जोश और जुनून के साथ सकारात्मक अंदाज में उतरेगी एलएसजी: खान

8 सब्जियों के लिए नर्सरी स्थापना

मौसम जम्मू
न्यूनतम 14
अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-72 | जम्मू तवी, शुक्रवार 21 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत को विकसित बनाने का पहला पड़ाव गांवों को विकसित बनाना है : मोदी

भावनगर, 20 मार्च । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भावनगर जिले के बावलियाली गांव में संत श्री नगालखा बापा-ठाकर धाम के पुनः प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में वीडियो संदेश से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भरवाड समाज की गौसेवा और प्रकृति प्रेम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने समाज के लोगों से विकसित भारत बनाने में योगदान देने की अपील की। मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने का पहला पड़ाव गांव को विकसित बनाने का है। आज प्रकृति और पशुधन सेवा हमारा सहज धर्म है।

मोदी ने कहा कि 25 वर्ष में विकसित भारत बनाना है। इसके लिए समाज की मदद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने केन्द्र सरकार की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि फुट एंड माउथ डिजिज में पशुओं को लगातार वैक्सीन लेना रहता है। यह

करुणा का काम है, इसे जरूर कराएं। दूसरी योजना का जिक्र कर मोदी ने कहा कि किसानों के बाद अब पशुपालकों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। इससे पशुपालकों को कम ब्याज पर बैंक से रुपये मिलेंगे। गाय के देशी नस्ल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने, प्रकृति खेती अपनाने आदि संबंध में भी बात की।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में हुए महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महाकुंभ के पुण्य अवसर पर महंत रामबापु को महामंडलेश्वर की पदवी मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात है। पिछले एक सप्ताह से भावनगर की यह धरती मानो भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन बन गई है। भाईजी की भागवत कथा ने इसमें सोना में सुगंध पैदा कर दिया। पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के रस से सराबोर हो गया। बावलिया का धाम एक धार्मिक स्थान नहीं है बल्कि भरवाड समाज समेत अनेकों के लिए यह आस्था, संस्कृति और एकता की प्रतीक भूमि भी है। नगा लाखा ठाकर की कृपा से यह पवित्र स्थान हमेशा सच्ची दिशा, उत्तम प्रेरणा का विरासत मिला है। इस धाम में नगा लाखा ठाकर की पुनःप्राण प्रतिष्ठा अनमोल अवसर पैदा करता है।

प्रधानमंत्री ने धंधुका आदि क्षेत्रों में पानी की कमी का उल्लेख कर इसु बापु के सेवा कार्य का उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि भरवाड समाज परिश्रम, त्याग में हमेशा आगे रहा है। प्रकृति व संस्कृति का संरक्षक है। उन्होंने कहा कि अब समाज को लकड़ी का नहीं, कलम का समाज बनाना है। नई पीढ़ी अब शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। बेटियों के हाथ में कम्प्यूटर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भरवाड समाज के लोग वृद्धाश्रम में नहीं जाते हैं। संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण यह बुजुर्गों की सेवा को अपना नैतिक मूल्य समझता है, नई पीढ़ी भी इसे बखूबी निभा रही है। मोदी ने कहा कि अभी का समय समाज को आधुनिकता के साथ जोड़ने, देश और दुनिया के साथ जोड़ने का है। बेटियों को खेलकूद में आगे लाने का प्रयास होना चाहिए। पशुपालन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लें। मोदी ने कहा कि गिर गाय के लिए सरकार की चिंता करने का असर है कि दुनिया भर में इसे सराहना मिली है।

दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने के मुद्दे पर विचार करने के लिए एक पैनल का गठन किया गया है : मुख्यमंत्री

जम्मू, 20 मार्च । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने के मुद्दे पर विचार करने के लिए एक पैनल का गठन किया गया है जो छह महीने में सरकार को अपनी सिफारिशें सौंपेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार जम्मू-कश्मीर में सरकारी सेवाओं में रिक्त पदों को भरने के लिए तेजी से भर्ती सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधानसभा में भाजपा विधायक सतीश शर्मा के एक सवाल का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि पिछली बार विधानसभा में एक समिति की घोषणा की गई थी और (इसके गठन के लिए) एक औपचारिक आदेश जारी किया गया था। इस मुद्दे की जांच के लिए मुख्य सचिव के अधीन समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैनल को मामले का आकलन करने के लिए छह महीने का समय दिया गया है और सिफारिशें प्राप्त होने के बाद सरकार उसके अनुसार काम करेगी।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए बुधवार को छह सदस्यीय समिति का गठन किया। फास्ट-ट्रैक भर्ती के मुद्दे पर अब्दुल्ला ने रिक्तियों को कुशलतापूर्वक भरने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने पिछले दो वर्षों

में 15,000 से अधिक रिक्तियों को भरते हुए अपनी भर्ती प्रक्रिया में तेज़ी लाई है। पिछले दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड को 13,466 गैर-राजपत्रित रिक्तियाँ भेजी गई थीं जिनमें से 9,351 चयन पूरे हो चुके हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इसी तरह जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को भेजी गई 2,390 राजपत्रित रिक्तियों में से 2,175 का चयन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भर्ती को और अधिक सुचारू बनाने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने वित्त विभाग द्वारा समीक्षाधीन 10,757 मल्टी-टास्क सर्विस रिक्तियों की पहचान की है। इन पदों को जल्द ही भर्ती एजेंसियों को भेजा जाएगा। इसके अलावा 6,000 रिक्तियां रेफरल के लिए तैयार हैं और जल्द ही भर्ती के लिए भेजी जाएंगी।

भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सरकार ने पे लेवल 5 (29,200-92,300 रुपये) तक के सभी पदों के लिए साक्षात्कार समाप्त कर दिया था। 14 फरवरी के एक हालिया आदेश ने जूनियर इंजीनियरों और नायब तहसीलदारों सहित लेवल 6 के पदों के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता को भी हटा दिया है।

इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार भर्ती में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ा रही है मुख्यमंत्री ने कहा कि निष्पक्ष भर्ती सुनिश्चित करने के लिए भर्ती नियमों को संशोधित किया गया और 22 नवंबर, 2022 को अधिसूचित किया गया। अब कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी और जहाँ भी संभव हो कई पदों के लिए एक ही परीक्षा आयोजित की जाएगी। जेकेपीएससी और जेकेएसएसबी को लक्ष्य आधारित दृष्टिकोण अपनाने और एक निर्धारित समय सीमा के भीतर भर्ती पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा गोरखा समुदाय के योगदान को स्वीकार करती है उनके साथ मजबूती से खड़ी है : सत शर्मा

जम्मू, 20 मार्च । भाजपा सदियों से जम्मू-कश्मीर में रहने वाले समुदायों के मुद्दों के प्रति संवेदनशील रही है लेकिन दशकों से उन्हें मानवीय अधिकारों से वंचित रखा गया। गोरखा उन बहादुर और समर्पित समुदायों में से एक हैं जिन्होंने जम्मू-कश्मीर की सेवा की है और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक माहौल में योगदान दे रहे हैं। यह दुख की बात है कि समुदाय को अत्यधिक अमानवीय और विवादास्पद अनुच्छेद 370 और 35 (ए) की आड़ में बुनियादी अधिकारों से भी वंचित किया गया। सत शर्मा करुणा छेत्री अध्यक्ष गोरखा सभा जम्मू-कश्मीर के नेतृत्व में गोरखा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा जम्मू और कश्मीर में गोरखा समुदाय के योगदान को स्वीकार करती है और सभी मामलों में समुदाय के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने और गोरखा समुदाय को अधिवास अधिकार/लाभ प्रदान करने के लिए भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षाबलों ने पकड़ा एक पाकिस्तानी घुसपैठिया

कठुआ, 20 मार्च। जम्मू संभाग के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सुरक्षाबलों ने बुधवार देर रात हीरानगर सेक्टर में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी।संदिग्ध को हिरासत में लेने से पहले सुरक्षाबलों ने कुछ चेतावनी राउंड भी फायर किए। घुसपैठिए की पहचान पाकिस्तान के चिनिओट तहसील के गफूराबाद निवासी कादिर बख्श के रूप में हुई है। आगे की जांच जारी है।

यात्री वाहन के पलटने से नौ लोग घायल

कुलगाम, 20 मार्च । कुलगाम जिले के निपोरा मीरबाजार में एक एक यात्री वाहन के पलट जाने से नौ लोग घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने गुरूवार को बताया कि यह दुर्घटना मीरबाजार में तब हुई जब पर्यटक यात्री वाहन (पीबी01बी 7720) ने नियंत्रण खो दिया और पलट गया। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया है। घायलों की पहचान राजस्थान के विक्रम कुमार, आंध्र प्रदेश के अवला कृष्ण चैतन्य, उत्तर प्रदेश के आफताब, मुंबई के शांबो, राजस्थान के खोता, मुंबई के रामलाल, मुंबई के वबाक कुमार, कलवा मुंबई के अनिल कुमार और राजस्थान के राहुल के रूप में हुई है।

विधानसभा ने सीएम उमर अब्दुल्ला के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभागों के लिए अनुदान पारित किया

सीएम ने घरेलू उपभोक्ताओं को एकमुश्त बिजली माफी दी, विधायकों के लिए सीडीएफबढ़ाकर 4 करोड़ किया गया

जम्मू, 20 मार्च। जम्मू और कश्मीर विधानसभा ने सामान्य प्रशासन विभाग के लिए 59,431.23 लाख रुपये, योजना के लिए 56,009.69 लाख रुपये, सूचना विभाग के लिए 14,183.38 लाख रुपये, बिजली विकास विभाग के लिए 12,47,727.65 लाख, वित्त के लिए 62,70,347.94 लाख रुपये, संसदीय मामलों के लिए 7,083.77 लाख रुपये, कानून विभाग (चुनाव विभाग को छोड़कर) के लिए 76,284.53 लाख, राजस्व के लिए 81,073.94 लाख, आवास और शहरी विकास के लिए 4,06,130.30 लाख, पर्यटन के लिए 61,280.18 लाख, आतिथ्य, प्रोटोकॉल और संपदा के लिए 46,683.86 लाख, संस्कृति के लिए 20,459.31 लाख और आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए 1,96,369.04 लाख रुपये की अनुदान राशि पारित की है। सदन में तीन दिनों की व्यापक चर्चा के बाद अनुदान पारित किए गए।

अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं को स्वीकार किया और पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होने कहा कुछ माननीय सदस्यों को लगा कि मैं अपने पिछले भाषणों में बहुत निराशावादी था। इसलिए आज, मैंने अलग तरीके से शुरुआत करने का फैसला किया। हम चर्चाओं से नहीं डरते। हम कठिन सवालों से नहीं कतराते। हम उनका खुलकर जवाब देते हैं, चाहे वे कितने भी कठिन क्यों न हों।

समानता और कानूनी बदलावों पर

मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में कानूनी बदलावों के बारे में चिंताओं को भी दूर किया। पांच साल पहले, हमने समानता की बात की थी। आज भी हम इसकी मांग कर रहे हैं। खुद से पूछें- क्या हम वाकई दूसरे राज्यों के बराबर हैं? सच्चाई खुद ही सब कुछ बयां करती है। उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि उनकी सरकार ने महाराजा हरि सिंह की विरासत का अनादर किया है।

राज्य के विषयों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को हमने नहीं बल्कि दूसरों ने बदला है। 2019 से पहले, आप महाराजा रणबीर सिंह के नाम पर रणबीर दंड संहिता के तहत काम करते थे। आज, आप एक अलग कानून का पालन करते हैं। फिर, इतिहास किसने बदला?

आर्थिक विकास और रोजगार पर

मुख्यमंत्री ने खासकर स्थानीय युवाओं के लिए आर्थिक असमानताओं और रोजगार चुनौतियों पर प्रकाश डाला। अगर हरियाणा के चार लोग यहां काम कर सकते हैं, तो सुनिश्चित करें कि हरियाणा, हिमाचल और उससे आगे के हमारे लोगों के लिए समान अवसर मौजूद हों। सख्त स्थानीय नीतियों के कारण हिमाचल में उद्योग स्थापित करना मुश्किल है। इसके विपरीत, हमारे पास ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। शहरी विकास और बुनियादी ढांचे पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में कमियों को स्वीकार किया। हमने फुटपाथ बनाए, फिर भी लोग अभी भी सड़कों पर चलते हैं। हमने साइकिल ट्रैक बनाए, लेकिन अब मोटरसाइकिलें उन पर कब्जा कर लेती हैं। हमने बहु-स्तरीय पार्किंग सुविधाओं का निर्माण किया, फिर भी वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं। केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं है, हमें सामूहिक मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने योजनाबद्ध आवासीय टाउनशिप के माध्यम से शहरों की भीड़भाड़ कम करने के महत्व पर भी जोर दिया। हम बाहरी लोगों को नहीं बसा रहे हैं। जब आपकी सरकार ने न्यू श्रीनगर और न्यू जम्मू की बात की, तो किसी ने आपत्ति नहीं की। हमारा लक्ष्य वही है नए आवासीय क्षेत्रों का विकास करना और शहरी क्षय को रोकना।

आपदा प्रबंधन और सांस्कृतिक संरक्षण

आपदा प्रबंधन और राहत प्रयासों के बारे में, मुख्यमंत्री ने सदस्यों को विस्थापित समुदायों के लिए उचित पुनर्वास और आवास प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त किया। सांस्कृतिक संरक्षण पर, उन्होंने जम्मू और कश्मीर में 33 विरासत स्थलों पर चल रहे जीर्णोद्धार प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसका बजट 65 करोड़ रुपये है। भविष्य की योजनाओं में 170 करोड़ की अनुमानित लागत से 73 अतिरिक्त स्थलों को बहाल करना शामिल है। विरासत हमारी पहचान को परिभाषित करती है। मुबारक मंडी के जीर्णोद्धार जैसी परियोजनाओं को जल्द ही पूरा किया जाना चाहिए। हम इतिहास को मिटने नहीं दे सकते।

मुख्यमंत्री ने योजना और वित्त में कुशल शासन और जवाबदेही की आवश्यकता दोहराई। योजना विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह केवल नीतियों का मसौदा तैयार करने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के बारे में है। हमें योजना को वित्त के साथ विलय करने और इसकी स्वतंत्र भूमिका को बहाल करने के निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

आतिथ्य, प्रोटोकॉल और राज्य का बुनियादी ढांचा

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के मेहमानों पर सरकारी खर्च एक आम बात है और पिछली सरकारों ने भी इसका पालन किया है। हालांकि उन्होंने सटीक खर्च का विवरण देने से परहेज किया, लेकिन उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि मौजूदा संपत्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पुनर्गठन के बाद खोई हुई संपत्तियों के बारे में चिंताओं को हल करते हुए उन्होंने कहा, जो संपत्तियां चली गई हैं, उन्हें वापस नहीं लिया जा सकता है, लेकिन हमें उन संपत्तियों का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए जो बची हुई हैं।

अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है : अमित शाह

नई दिल्ली, 20 मार्च। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को दो अलग-अलग अभियानों में 22 नक्सलियों के मारे जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

सरकार जम्मू-कश्मीर में 1600 नई उचित मूल्य की दुकानें खोलने पर विचार कर रही है: सतीश शर्मा

जम्मू, 20 मार्च। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि विभाग जम्मू-कश्मीर में 1600 नई उचित मूल्य की दुकानें खोलने पर विचार कर रहा है।

मंत्री विजय कुमार द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। मंत्री ने सदन को सूचित किया कि सरकार जम्मू-कश्मीर में नई उचित मूल्य की दुकानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्वाचित सदस्यों को शामिल करने के लिए विवेकपूर्ण है।

मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद आगे कदम उठाए जाएंगे।

स्टोन क्रशर की स्थापना केवल अपेक्षित अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद ही की जाती है : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 20 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि स्टोन क्रशर/हॉट एंड वेट मिक्स प्लांट की स्थापना संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद ही की जाती है।

मंत्री ने शेख खुर्शीद अहमद द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि लघु खनिज आधारित इकाइयों को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्हें जम्मू-कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सहमति प्राप्त करनी होगी और भूमि के स्वामित्व सत्यापन के संबंध में संबंधित जिले के उपायुक्त से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा। बी-ए-मैदान क्रालगुंड काजियाबाद लंगेट में आंशिक रूप से कार्यशील क्रशर की स्थापना के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एमओआरटीएच की राष्ट्रीय प्राथमिकता वाली परियोजना आरकेसीटीसी सड़क को पूरा करने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 30 महीने की अवधि के लिए अस्थायी आधार पर बैचिंग प्लांट, बिटुमेन प्लांट और मुख्य स्टोर की स्थापना के लिए सर्वे नंबर 33 मिनट, 35 मिनट के तहत बिलमैदान गांव, रसरीपोरा लारिगनपोरा तहसील काजियाबाद में 05 कनाल भूमि का एक टुकड़ा चिह्नित किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि उपायुक्त कुपवाड़ा ने सूचित किया है कि मामले में अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है क्योंकि विभिन्न दस्तावेज अभी भी प्रक्रियाधीन हैं। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 2021 के एसओ 60 दिनांक: 23.02.2021 के अनुसार स्टोन क्रशर इकाई की स्थापना के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग से किसी एनओसी की आवश्यकता नहीं है।

राशन कार्ड में छूटे हुए परिवार के सदस्यों को नियमित आधार पर जोड़ा जा रहा है : खाद्य मंत्री

जम्मू, 20 मार्च। जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री राशन योजना के तहत 98.52 लाख एएवाई, पीएचएच, एनपीएचएच लाभार्थी शामिल हुए, चेनानी निर्वाचन क्षेत्र में 56.977 लाख लाभार्थी शामिल हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में राशन कार्ड में छूटे हुए पात्र परिवार के सदस्यों को नियमित आधार पर जोड़ा जा रहा है। मंत्री ने बलवंत सिंह मनकोटिया द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री राशन योजना के तहत 98.52 लाख एएवाई, पीएचएच, एनपीएचएच लाभार्थियों को शामिल किया गया है, जबकि चेनानी निर्वाचन क्षेत्र में 56,977 लाभार्थियों को शामिल किया गया है। उन्होंने आज कहा कि विभाग प्रचलित ढांचे के अनुसार नई उचित मूल्य की दुकानें खोलने पर विचार कर रहा है, जो जम्मू-कश्मीर लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि चूंकि चयनित सरकार ने कार्यभार संभाल लिया है, इसलिए जम्मू-कश्मीर में नई उचित मूल्य की दुकानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्वाचित सदस्यों को भी शामिल करना उचित समझा गया है, जिसके लिए मौजूदा ढांचे पर फिर से विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत परिवारों, विशेष रूप से एएवाई परिवारों को शामिल करने के लिए खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का पालन करने के लिए आवश्यक होने के कारण राशन कार्डों का विभाजन रोक दिया गया है, जहां पात्रता 35 किलोग्राम प्रति परिवार है। मंत्री ने कहा कि नए राशन कार्ड जारी करके राशन कार्डों को दो भागों में विभाजित करने की प्रक्रिया से ऐसे नए परिवारों के लिए अतिरिक्त खाद्यान्न की व्यवस्था करने की आवश्यकता होगी।

जम्मू-कश्मीर में 6839 राजस्व गांवों की जमाबंदियों का कम्प्यूटरीकरण: सकीना

जम्मू, 20 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के माध्यम से किए गए भूमि अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण के तहत जम्मू-कश्मीर में 6839 राजस्व गांवों की जमाबंदियों का डिजिटलीकरण पूरा हो गया है।

मंत्री ने विधानसभा में रणबीर सिंह पठानिया द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से देते हुए यह बात कही।

मंत्री ने कहा कि भूमि अभिलेखों के संबंध में लागू नियमों और मानदंडों के अनुसार जमाबंदियों के डिजिटलीकरण के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं, ताकि इसे त्रुटि-मुक्त बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि अन्य कदमों के अलावा नवीनतम जमाबंदियों को अद्यतन करना, डीसी द्वारा गठित अंतर तहसील टीमों द्वारा जमाबंदी के डाटा प्रविष्टि की गुणवत्ता जांच, संबंधित तहसीलदार द्वारा डाटा की जांच और प्रमाणीकरण, संबंधित पटवारी/डाटा प्रविष्टि ऑपरेटर/अन्य राजस्व अधिकारियों द्वारा राजस्व रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, संबंधित गिरदावर/नायब तहसीलदार/तहसीलदार द्वारा डिजिटलीकृत डाटा की

गुणवत्ता जांच और उपायुक्तों तथा क्षेत्रीय निदेशक सर्वेक्षण एवं भू-अभिलेखों के कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से डिजिटलीकृत जमाबंदी को फ्रीज करना जैसे कदम उठाए गए हैं, ताकि रिकॉर्ड को त्रुटि-रहित बनाया जा सके।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

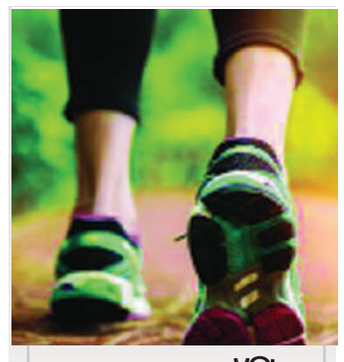

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

सेना ने जम्मू में देखभाल और सहायता के माध्यम से मुस्कान फैलाई

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। सामुदायिक कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए भारतीय सेना के टाइगर डिवीजन ने मीरा साहिब सैन्य स्टेशन पर एक विशेष उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया। आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलिम्को) के सहयोग से आयोजित इस पहल का उद्देश्य आरएस पुरा सीमावर्ती क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों और विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों को बहुत जरूरी सहायता प्रदान करना था।

इन व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानते हुए भारतीय सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए कि उन्हें आवश्यक गतिशीलता और सहायक उपकरण मिले जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता और स्वतंत्रता में वृद्धि हो। शिविर में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई जिसमें कुल 193 सहायक उपकरण वितरित किए गए।

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल (बैटरी संचालित) – लोकोमोटर विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिक गतिशीलता और स्वतंत्रता को सक्षम करना।

मैनुअल ट्राइसाइकिल – मैनुअल सहायता की आवश्यकता वाले लोगों के लिए गतिशीलता समाधान प्रदान करना।

व्हीलचेयर – सीमित गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए आसानी सुनिश्चित करना।

महिला डिग्री कॉलेज कठुआ की छात्राओं ने सीटीएम में शैक्षणिक औद्योगिक दौरा किया

कठुआ 20 मार्च (हि.स.)। महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने जम्मू कश्मीर के सबसे बड़े औद्योगिक संस्थान सीटीएम कठुआ में एक ज्ञानवर्धक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य छात्रों को औद्योगिक प्रक्रियाओं की उनकी समझ को बढ़ाना था। पर्यावरण विज्ञान विभाग के साठ छात्रों और संकाय सदस्यों का सीटीएम कठुआ के प्रबंधन द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दौरे के दौरान छात्रों को विनिर्माण इकाइयों और परिचालन विभागों का विस्तृत दौरा कराया गया। उन्हें तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला जिससे उन्हें उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और प्रबंधन प्रथाओं सहित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी मिली। यह दौरा अत्यधिक शैक्षिक और लाभकारी साबित हुआ जिससे छात्रों को औद्योगिक संचालन और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में अपने शैक्षणिक ज्ञान के अनुप्रयोग की स्पष्ट समझ मिली।

महिलाओं को उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सशक्त बनाना विषय पर कार्यशाला का समापन

कठुआ 20 मार्च (हि.स.)। समाज कल्याण विभाग कठुआ ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बैनर तले सरकारी महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के सहयोग से महिलाओं को उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सशक्त बनाना विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यशाला 19 मार्च 2025 से 20 मार्च 2025 तक चली, जिसका उद्देश्य महिलाओं में जागरूकता बढ़ाना और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उन्हें सशक्त बनाना था। कार्यशाला के समापन दिवस की शुरुआत दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जिसके बाद कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रचना ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों, मुख्य अतिथि और छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडवोकेट प्रकृति ने महिलाओं के अधिकारों, कानूनी कृत्यों और महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई नीतियों पर एक व्यावहारिक भाषण दिया।

कार्यक्रम में सरस्वती वंदना और कॉलेज के छात्रों द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं।

कार्यशाला के समापन के हिस्से के रूप में महिलाओं को उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सशक्त बनाना विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए, तथा सभी प्रतिभागियों को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए। इन पोस्टरों में महिला सशक्तिकरण और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के महत्व पर छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाया गया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि प्रिंसिपल और आईक्यूएसी की संयोजक को कार्यक्रम की सफलता में उनके सहयोग और योगदान के लिए स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटबॉल और वॉलीबॉल टूर्नामेंट का किया आयोजन

पुलवामा, 20 मार्च (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटबॉल और वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। फुटबॉल और वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन एडिशनल एसपी ने किया। पुलिस की ओर से खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। पुलवामा जिले के अलग-अलग इलाकों से फुटबॉल और वॉलीबॉल टीमें हिस्सा ले रही हैं। खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों ने पुलिस की पहल की सराहना की और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से युवाओं को अपने कौशल को विकसित करने में मदद मिलती है

तीर्थयात्रियों के लिए दूसरा हज प्रशिक्षण सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया

कुलगाम, 20 मार्च (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर की हज समिति ने 2025 के तीर्थयात्रियों के लिए कुलगाम के मरकजी जामिया मस्जिद शरीफ नाइक-पोरा में दूसरा हज प्रशिक्षण सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को हज में शामिल अनुष्ठानों और प्रक्रियाओं की व्यापक समझ के साथ आगामी पवित्र तीर्थयात्रा के लिए तैयार करना था।

प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा किया गया जिन्होंने हज के आध्यात्मिक और शारीरिक पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। तीर्थयात्रियों को मक्का की यात्रा के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठानों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए। कुलगाम जिले के तीर्थयात्रियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया जिससे उन्हें बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त हुआ और तीर्थयात्रा की तैयारी हुई।

प्रतिभागियों में से एक ने हज समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए हज समिति के आभारी हैं जिसने हमें हज 2025 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की है। व्यावहारिक प्रदर्शन विशेष रूप से सहायक थे और अब हम यात्रा के लिए अधिक आश्वस्त और तैयार महसूस करते हैं।

नवाबाद में कटिंग व टेलरिंग का केंद्र खोला गया

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। एनएचपीसी सलाल पावर स्टेशन की तरफ से सीएसआर व एसडी पहल के अंतर्गत जिला मुख्यालय के साथ लगते गांव नवाबाद में कटिंग व टेलरिंग का केंद्र खोला गया। जनरल मैनेजर इलेक्ट्रिक पूनम झा ने केंद्र का उद्घाटन अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में किया। अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में बेरोजगार व गरीब किशोरियों के साथ महिलाओं के लिए केंद्र बनाया गया है। केंद्र में महिलाएं व लड़कियां सक्षम आजीविका व कौशल विकास के लिए कटिंग टेलरिंग सीख कर आत्मनिर्भर बनेगी। केंद्र में तीस महिलाएं आने वाले छह महीने तक कपड़ों को काट कर उन की सिलाई करेंगी। छह महीने के बाद कोर्स समाप्त होने पर कोई भी प्रशिक्षु अपना स्वयं का काम खोल कर आत्मनिर्भर बन सकती है। केंद्र को सामाजिक संस्था यूथ ब्रिगेड वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से चलाया जाएगा।

हाई स्कूल चौगुंड वेरीनाग में मेगा नामांकन अभियान चलाया गया

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। जिले भर में चल रहे मेगा नामांकन अभियान के तहत हाई स्कूल चौगुंड, वेरीनाग में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के नामांकन को बढ़ाना है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा निदेशक कश्मीर (डीएसईके) डॉ. जी.एन. इटू भी मौजूद थे। उनके साथ अनंतनाग के मुख्य शिक्षा अधिकारी बशीर अहमद शाह, अधिकारी और वेरीनाग के अन्य हितधारक भी मौजूद थे।

सुनीता विलियम्स के जल्द स्वास्थ्य होने व भारत लौटने की कामना

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने भारतीय मूल की आंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से सफल वापसी पर खुशी का इजहार किया है तथा उनके जल्द पूर्ण स्वास्थ्य होने व भारत लौटने की कामना की है ।

आज पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में पत्रकारों से विशेष बातचीत पर प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि 9 महीने 14 दिनों के बाद सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी , भारत व पूरी दुनिया के लिए एक खुशी का पल व अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। वह सुनीता विलियम्स के जल्द पूर्ण स्वास्थ्य होने व भारत लौटने की कामना करते है ।

साहनी ने कहा कि अंतरिक्ष से धरती पर वापसी पर उन्होंने मुस्कराते हुए जो अपने प्रशंसकों का अभिनन्दन सविकार कर पूरी दुनिया का दिल जीत लिया है।

सीएपी के तहत सिंबल मीरां साहिब में फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। युवाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक तरीके से चैनलाइज़ करने के लिए आज सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन एसपी मुख्यालय जम्मू इरशाद हुसैन राथर-जेकेपीएस ने सिंबल मीरां साहिब, जम्मू में किया।इस अवसर पर एसडीपीओ आरएसपुरा गुरमीत सिंह-जेकेपीएस, एसएचओ मीरां साहिब इंस्पेक्टर जयपॉल शर्मा और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे। इस अवसर पर नागरिक समाज और मीडिया बिरादरी के प्रमुख सदस्यों सहित दर्शकों की भारी भीड़ भी मौजूद थी। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 05 टीमें भाग लेंगी। एसपी मुख्यालय जम्मू ने सभी मेहमानों और टीमों के प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस हमेशा सकारात्मक गतिविधियों की तलाश में रही है और विभिन्न युवा जुड़ाव कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए हमेशा सबसे आगे रही है और यह भी इस दिशा में एक कदम है।

27 विषयों में 594 लेक्चरर पद जेकेपीएससी को भेजे गए-सकीना इत्तू

जम्मू। स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सदन को बताया कि जम्मू-कश्मीर के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विषय विशेष शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए 27 विषयों में 102 लेक्चरर के 594 पदों को हाल ही में भर्ती के लिए जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को भेजा गया है।

मंत्री ने मेहराज मलिक द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।

उन्होंने सदन को बताया कि डोडा जिले के विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न विषयों के लेक्चरर के 367 पद रिक्त पड़े हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

मंत्री ने आगे बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विशिष्ट विषयों को पढ़ाने के लिए डोडा जिले में अस्थायी आधार पर 140 क्लस्टर संसाधन समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान की उपलब्धता के अधीन, समग्र शिक्षा के परामर्श से नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि डोडा जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में व्याख्याताओं की संख्या बढ़ाने के लिए, कम स्टाफ वाले स्कूलों की पहचान करने और इन स्कूलों में तैनाती के लिए अधिशेष कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए युक्तिकरण प्रक्रिया शुरू की गई है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा बजट भाषण में गुरु रविदास का उल्लेख करना श्रद्धा का प्रतीक है : बलबीर

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए गुरु रविदास जी के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की जो एक सराहनीय कदम है। गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय महासचिव, ब्रिटिश रविदासिया हेरिटेज फाउंडेशन (भारतीय शाखा) के महासचिव और बेगमपुरा विश्व महासभा के सदस्य बलबीर राम रतन ने मुख्यमंत्री के बयान का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जी के सम्मान में मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक और प्रेमपूर्वक उनके प्रसिद्ध दोहे को उद्धृत किया

ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न,

शोत बड़े सम बसे, रैदास रहे प्रसन्न।

यह दोहा गुरु रविदास जी के समानता और सामाजिक समरसता के सिद्धांतों को दर्शाता है जो सभी के लिए समान अधिकारों और संसाधनों तक पहुंच की वकालत करता है। अपने संबोधन में सीएम सैनी ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार इस आदर्श को साकार करने, समाज में समानता, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बलबीर राम रतन ने कहा कि यह भाव न केवल गुरु रविदास जी को श्रद्धांजलि है बल्कि पूरे रविदासिया समुदाय के प्रति मुख्यमंत्री की गहरी श्रद्धा और सम्मान का भी प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभा के मंच पर गुरु जी की शिक्षाओं का सम्मान करना इस बात का प्रतीक है कि राष्ट्र के महान संतों से प्रेरणा लेकर समाज समानता, एकता और भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है। सीएम नायब सिंह सैनी का यह कदम दर्शाता है कि उनके नेतृत्व में हरियाणा सरकार सामाजिक कल्याण योजनाओं को बढ़ावा देने, समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

अमृत 2.0 के तहत शोपियां में जल आपूर्ति योजना 2026 तक चालू हो जाएगी : जावेद राणा

शोपियां विधानसभा क्षेत्र में पिछले 2 वर्षों में जल आपूर्ति योजनाओं पर 5683.61 लाख रुपये खर्च किए गए

जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज कहा कि पिछले दो वर्षों में शोपियां विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं पर 5683.61 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

मंत्री ने शबीर अहमद कुल्ले द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

शोपियां शहर में जलापूर्ति के संबंध में मंत्री ने सदन को बताया कि अमृत 2.0 के तहत शोपियां शहर में जलापूर्ति योजना के लिए निविदा प्रक्रिया वर्तमान में वित्तीय मूल्यांकन के अधीन है और इस सप्ताह के भीतर इसे प्रदान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के चालू होने की अपेक्षित तिथि मार्च, 2026 है।

विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि 2023-24 के दौरान 3455.43 लाख रुपये जारी किए गए, जिनमें से 3351.78 लाख रुपये विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं के लिए खर्च किए गए हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 2430.70 लाख की राशि में से 2331.83 लाख व्यय किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश डब्ल्यूएसएस क्रियाशील हैं तथा शेष योजनाएं पूर्ण होने के करीब हैं।

16.20 किलोमीटर संग्रामा-सोपोर-सागीपोरा सड़क के उन्नयन पर विचार किया जा रहा है : उपमुख्यमंत्री

जम्मू 20 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि संग्रामा-सोपोर-सागीपोरा सड़क के उन्नयन के लिए 16.20 किलोमीटर सड़क पर तारकोल बिछाया गया है, जिसकी लागत 1811.54 लाख रुपये है तथा नाबार्ड आरआईडीएफ के तहत मंजूरी के लिए विचार किया जा रहा है।

मंत्री ने विधानसभा में मीर मोहम्मद फैयाज द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

मंत्री ने सदन को बताया कि 2024-25 के दौरान कुलंगम से ज़ांद्री मोड तक 11.50 किलोमीटर सड़क पर तारकोल बिछाया गया है, जिसका शहर एवं नगर कार्यक्रम के तहत तारकोल बिछाया गया है।

मंत्री ने आगे कहा कि कुलंगम से कुपवाड़ा तक सड़क का प्रबंधन बीकॉन द्वारा किया जाता है और इसे पक्के कंधे की विशिष्टताओं के साथ 2-लेन में अपग्रेड किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि संगरमा से सोपोर होते हुए कुलंगम तक सड़क का रखरखाव पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाता है, लेकिन विभाग के पास इसके उन्नयन की कोई योजना नहीं है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा सड़क के 4-लेन के लिए कोई डीपीआर तैयार नहीं की गई है। मीर सैफुल्लाह और कैसर जमशेद लोन ने पूरक प्रश्न उठाए।

शिवसेना का अमरनाथ यात्रा पंजीकरण वसूली को बताया जजिया

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई ने 3 जुलाई शुरू होने वाली वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा पंजीकरण को नि:शुल्क बनाने तथा श्रद्धालुओं को जम्मू से बालटाल व पहलगाम के लिए नि:शुल्क बस सेवा देने की मांग की है।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने पंजीकरण शुल्क वसूली को लेकर अमरनाथ श्राइन बोर्ड की जमकर निंदा करते हुए कहा कि वह पिछले कई सालों से पंजीकरण वसूली का विरोध कर रहे हैं मगर श्राइन बोर्ड अपना अड़ियल रवैया छोड़ने को तैयार नहीं है। एक तरफ धार्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन को बढावा देने के प्रयासों का दावा किया जाता है वहीं श्री अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से पंजीकरण शुल्क वसूल कर उनके जेबो पर अतिरिक्त भार डाला जा रहा है ।

साहनी ने कहा कि हिन्दुओं की धार्मिक यात्रा से पंजीकरण वसूली मुग़ली शासनकाल के जजिया कर की यादें ताजा करता है। साहनी ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से हस्तक्षेप कर पंजीकरण को नि:शुल्क बनाने की मांग की है।? साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन से पूर्व (यानी 2019 से पहले) पंजीकरण मात्र 50 रुपये हुआ करता था जिसे उपराज्यपाल के शासनकाल के दौरान बढ़ाकर 150/250

(आनलाईन / आफलाइन) रूपए कर दिया गया है। साहनी ने भाजपा विधायकों से सदन में इस पर आवाज बुलंद करने की मांग की है। इसके साथ ही उमर अब्दुल्ला से यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जम्मू से पहलगाम तथा बालटाल के लिए नि:शुल्क बस सेवा देने की मांग की है।

सेना ने गुज्जर और बक्करवालों के लिए वॉलीबॉल मैच किया आयोजित

रियासी, 20 मार्च (हि.स.)। स्थानीय समुदायों के बीच सद्भाव, जुड़ाव और खेल भावना को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने शिकारी जिला रियासी के सुदूर स्थान पर गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के लिए एक दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जिन्होंने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से अपनी खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस पहल का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस और टीम वर्क को बढ़ावा देते हुए भारतीय सेना और स्थानीय आबादी के बीच के बंधन को मजबूत करना था। सेना के अधिकारियों ने प्रतिभागियों से बातचीत की और एकता और अनुशासन को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। समुदाय के सदस्यों ने इस तरह के आउटरीच कार्यक्रमों के आयोजन में भारतीय सेना के निरंतर प्रयासों की सराहना की जो क्षेत्र में शांति और विकास में योगदान करते हैं। यह पहल भारतीय सेना की सामुदायिक जुड़ाव और युवा सशक्तिकरण के लिए चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ जिसमें विजेता टीम को सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों को अपने खेल प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत अनाथ बच्चों को प्रायोजन चेक वितरित किए

जम्मू, 20 मार्च (हि.स.)। पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत अनाथ बच्चों को प्रायोजन चेक वितरित करके अपना समर्थन दिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन बच्चों को उनकी शिक्षा और पोषण में सहायता के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करके उनके जीवन को बेहतर बनाना था।

आज कुल 27 अनाथ बच्चों को प्रायोजन भुगतान प्राप्त हुआ, जिससे कुल 215 बच्चे इस पहल से लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्राप्तकर्ताओं के बीच ?2,12,000 की प्रभावशाली राशि वितरित की गई।

उपायुक्त ने बच्चों से बातचीत की और योजना के तहत प्रदान की गई सहायता का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उन्हें इस पहल का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि यह उनकी शिक्षा और पोषण को बढ़ाने के लिए बनाया गया है, जिससे अंततः उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

समाज कल्याण अधिकारी वकील अहमद भट ने मिशन वात्सल्य योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को 18 वर्ष या 36 महीने की आयु तक, जो भी पहले हो, 4,000 रुपये की मासिक सहायता प्राप्त होगी, जिससे उनका कल्याण और भविष्य की संभावनाएं सुरक्षित होंगी। उन्होंने सभी पात्र बच्चों से अपने जीवन स्तर और भविष्य के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से लाभ उठाने का आग्रह किया।

राजपोरा निर्वाचन क्षेत्र में लंबित विद्यालयों के उन्नयन का कोई मामला नहीं : शिक्षा मंत्री

जम्मू। स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सदन को बताया कि राजपोरा निर्वाचन क्षेत्र में लंबित विद्यालयों के विभिन्न स्तरों पर उन्नयन का कोई मामला नहीं है। मंत्री ने गुलाम मोहिउद्दीन मीर द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। मंत्री ने सदन को बताया कि सरकार वर्तमान में स्कूलों के सुचारू संचालन के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे के सु.ढ़ीकरण के साथ-साथ कर्मचारियों के युक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मंत्री ने सदन को बताया कि स्कूलों के उन्नयन के लिए एक निर्धारित मानदंड अपनाया गया है, उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय से मिडिल स्कूल में उन्नयन के लिए, निकटतम मिडिल स्कूल से 3 किमी की दूरी होनी चाहिए, इसके अलावा 02 फीडिंग प्राइमरी स्कूल होने चाहिए और शीर्ष श्रेणी के नामांकन 20 से कम नहीं होने चाहिए। इसी तरह, मिडिल स्कूल से हाई स्कूल में उन्नयन के लिए, निकटतम हाई स्कूल से 5 किमी की दूरी होनी चाहिए और एकल खंड के लिए प्रवेश क्षमता 20 और दोहरे खंड के लिए 50 होनी चाहिए। मंत्री ने आगे बताया कि हाई स्कूल से हायर सेकेंडरी स्कूल में अपग्रेड करने के लिए, निकटतम हायर सेकेंडरी स्कूल से 7-10 किलोमीटर की दूरी होनी चाहिए और अपग्रेडेशन के लिए प्रवेश क्षमता 50 से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों को उनके अगले उच्च स्तर पर अपग्रेड करने के प्रस्ताव पर सरकार द्वारा व्यवहार्यता रिपोर्ट, मौजूदा मानदंडों और जहां भी आवश्यक हो, तत्काल आवश्यकता के अनुसार सख्ती से विचार किया जा सकता है।

संपादकीय

खाद्य पदार्थों में मिलावट का लगातार खतरा

खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या, जो सदियों से चली आ रही है, का तात्पर्य विभिन्न खाद्य पदार्थों में जानबूझकर रेत, पत्थर, चाक पाउडर, पानी, खनिज तेल, हानिकारक रसायन और कृत्रिम रंग मिलाना है। इसमें भौतिक, रासायनिक, जैविक, सूक्ष्मजीवविज्ञानी और धातु संबंधी संदूषण शामिल हैं, जो सभी उपभोक्ताओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के पीछे मुख्य प्रेरणा आर्थिक लाभ है, जिसमें बेईमान उत्पादक और व्यापारी लाभ के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य से समझौता करने को तैयार रहते हैं। इस कुप्रथा को रोकने के लिए भारत में पर्याप्त कानून होने के बावजूद, खाद्य पदार्थों में मिलावट बड़े पैमाने पर होती है, जो सख्त प्रवर्तन और जवाबदेही की कमी को दर्शाता है।

जम्मू और कश्मीर भी इस खतरे से अछूता नहीं है। यहाँ भी खाद्य पदार्थों में मिलावट व्यापक है, जहाँ बेईमान व्यापारी अपने लाभ को अधिकतम करने के लिए विनियामक खामियों का फायदा उठाते हैं। इस क्षेत्र में लगभग सभी प्रकार की मिलावट पाई जा सकती है, दूषित डेयरी उत्पादों से लेकर रासायनिक रूप से उपचारित फलों और सब्जियों तक। अशुद्ध खाद्य पदार्थों की अनियंत्रित बिक्री लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती है, जिसके कारण सख्त उपायों के लिए लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।

सबसे चिंताजनक चिंताओं में से एक दूध और उसके उपोत्पादों में मिलावट है, जिसमें अक्सर हानिकारक रसायन या पतला पदार्थ पाया जाता है। यह बच्चों और बुजुर्गों जैसे कमजोर समूहों के लिए एक बड़ा खतरा है। इसके अलावा, फलों और सब्जियों में उनकी सुंदरता और शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड और फॉर्मेलिन जैसे रसायनों का इंजेक्शन लगाना एक और बहुत ही परेशान करने वाली प्रथा है। ये पदार्थ जहरीले होते हैं और खाद्य विषाक्तता, पाचन संबंधी विकार और यहां तक कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों से जुड़े होते हैं।

अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद, खाद्य मिलावट के प्रति प्रतिक्रिया अपर्याप्त रही है, निरीक्षण छिटपुट रहे हैं और अपराधियों को रोकने के लिए दंड बहुत कम हैं। यह जरूरी है कि सरकार नियमित निरीक्षण करके, सख्त दंड लगाकर और मिलावट करने वालों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करके अधिक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाए।

उपभोक्ताओं को मिलावटी खाद्य पदार्थों के जोखिमों के बारे में शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान भी तेज किए जाने चाहिए। लोगों को दूषित उत्पादों की पहचान करने के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सरकारी निकायों, उपभोक्ता अधिकार संगठनों और आम जनता के बीच सहयोग को मजबूत करने से एक अधिक सतर्क समुदाय का निर्माण हो सकता है जो बेईमान व्यापारियों द्वारा शोषण का सक्रिय रूप से विरोध करता है। केवल सख्त प्रवर्तन और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से ही खाद्य मिलावट के खतरे को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

पहचान खोती कठपुतलियां

कठपुतली न केवल औपचारिक रचना, रंगमंच की भाषा या एक कला वस्तु है बल्कि यह एक ऐसी आकृति भी है, जिसने लगभग सभी संस्कृतियों में जीवन और मृत्यु की उत्पत्ति, दृश्य और अदृश्य के बीच के संबंध तथा आत्मा और पदार्थ के बीच के संबंध जैसे प्रश्नों को मूर्त रूप दिया है। कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेले जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमों में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे-गुड़ियों, जोकर, राजदरबारों आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है। कठपुतली को लकड़ी अर्थात काष्ठ से बनाया जाता था। इस प्रकार काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा।

कठपुतलियों का इतिहास बहुत पुराना है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी की अष्टाध्यायी के नटसूत्र में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। कुछ लोग कठपुतली की शुरुआत को लेकर पौराणिक आख्यान का जिक्र करते हैं कि भगवान शिव ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती का मन बहला कर इस कला की शुरुआत की थी। सतवर्द्धन काल में भारत से पूर्वी एशिया के देशों इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, जावा, श्रीलंका आदि में इसका विस्तार हुआ। आज यह कला चीन, रूस, रूमानिया, इंग्लैंड, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका व जापान आदि अनेक देशों में पहुंच चुकी है। इन देशों में इस विधा का सम-सामयिक प्रयोग कर इसे बहुआयामी रूप प्रदान किया गया है। वहां कठपुतली को मनोरंजन के अलावा शिक्षा, विज्ञापन आदि अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

हम हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाते हैं। इस दिन का उद्देश्य कठपुतली को वैश्विक कला के रूप में मान्यता देना है। यह दुनिया भर के कठपुतली कलाकारों के सम्मान का एक प्रयास है। एक समय था जब कठपुतली को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम समझा जाता था

लेकिन आज कठपुतली कला मनोरंजन के साथ लोगों को जागरुक भी कर रही है। प्राचीनकाल से ही जादू-टोनों एवं कुदरती प्रकोपों से बचने के लिए मानव जीवन में पुतलों का प्रयोग होता रहा है। भारत में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी काष्ठ, मिट्टी व पाषाण से निर्मित ये पुतले जातीय एवं पारिवारिक देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित होते रहे हैं।

भारतीय कठपुतलियों की प्राचीनता के सम्बन्ध में पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता है। महाभारत में अर्जुन द्वारा ब्रहन्नला को कठपुतलियों का खेल सिखाने का उल्लेख है। महाभारत में रूपजीवन शब्द का भी काफी प्रयोग हुआ है और वह भी पुतलियों के खेल-तमाशों के संदर्भ में। पंचतंत्र नामक ग्रन्थ में ऐसी कठपुतलियों का जिक्र है। जो लकड़ी की खूटियों के सहारे नाना प्रकार के मानवी करतब दिखलाती थी। विक्रमादित्य के समय सिंहासन बत्तीसी नामक एक ऐसा सिंहासन था जो दिन में सम्राट के बैठने के काम आता था और रात को उसकी बत्तीस कठपुतलियां विभिन्न प्रकार से रागरंग कार्यक्रम कर सम्राट को रिझाती थी। राजस्थान की स्ट्रिंग कठपुतलियां दुनिया भर में मशहूर हैं। इसके अलावा उड़ीसा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कठपुतलियों की यही कला प्रचलित है।

राजस्थानी कठपुतलियों का ओवल चेहरा, बड़ी आंखें, धनुषाकार भौंहें और बड़े होंठ इन्हें अलग पहचान देते हैं। 5-8 डोरियों से बंधी ये कठपुतलियां राजस्थानी संगीत के साथ नाटक पेश करती हैं। राजस्थान में कठपुतलियों का प्रचलन काफी समय से हो रहा है। यहां कठपुतलियां नटों तथा भाटों द्वारा प्रयुक्त होती है। ये नट नाटक भी करते थे, नाचते भी थे एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक करतब भी दिखलाते थे। यह रस्सियों पर भी चलते थे ओर कठपुतलियां भी नचाते थे। नट जाति में प्रचलित एक किवदंती के आधार पर ब्रह्मा के वरदान से एक आदि नट की उत्पत्ति हुई थी। इन नटों के पूर्वज ही विक्रमादित्य के समय में ''सिंहासन बत्तीसी'' नामक कठपुतली नाटक के सर्जक थे। भारत की पुरातन संस्कृति का केन्द्रस्थल उत्तर भारत का राजस्थान एवं सिंध क्षेत्र रह चुका है।

राजस्थान में कठपुलियों का खेल दिखाने का मंच बहुत सादा होता है। गांव में कठपुतली का खेल दिखाने के लिए दो खाट खड़ी कर उसको ऊपर-नीचे से बांसों से जकड़ कर मंच की शक्ल दे दी जाती है। आगे की तरफ बारादरीनुमा ''ताजमहल'' नामक पर्दा लगा दिया जाता है। पृष्ठ भूमि में एक रंगीन काली चादर लगा दी जाती है जिसके पीछे से ये कठपुतलियों का संचालन करते हैं। इनकी कठपुतलियों का आकार लगभग डेढ़ फीट का होता है। इन कठपुतलियों की वेशभूषा पारम्परिक राजस्थानी होती है।

राजस्थान के नट जो पहले राजा-महाराजाओं के दरबारों की शोभा बढ़ाते थे, धीरे-धीरे सामाजिक एवं आर्थिक कारण से पिछड़ते चले गये। जिन राजाओं तथा विशिष्टजनों ने उन्हें प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान किया उन्हीं की जीवन-गाथायें इनकी पुतलियों का विषय बन गयी। जैसे विक्रमादित्य के काल की ''सिंहासन बत्तीसी'', पृथ्वीराज चौहान के समय की 'पृथ्वीराज संयोगिता व अमरसिंह राठौड़' का खेल प्रमुख था। घोर परम्परा एवं जातीय बन्धनों में बंधे हुये ये भाट आज भी अपनी पुतलियों में संशोधन आदि का सुझाव नहीं मानते हैं। राजस्थान में आज इस जाति के लगभग सोलह हजार भाट मौजूद हैं। जिनमें से आठ हजार आज भी कठपुतलियां नचाने का काम करते हैं। कुछ खेती-बाड़ी के धन्धे में भी लगे हुये हैं तो कुछ ने नाच गाने को अपना पेशा बना लिया है। कुछ अपने यजमानों के घर व शादी विवाह के अवसर पर ढोल बजाकर याचक का काम करते हैं।

तीन सौ वर्षों से निरन्तर प्रचलन में होने से राजस्थानी कठपुतलियों का मूल नाटक बिल्कुल ही विकृत हो गया है। अब तो दर्शक संचालन शैली तथा नाट्य-विधि के कारण ही कठपुतली का खेल देखते हैं। आज भी राजस्थानी कठपुतलियों में दर्शकों को बांधने की ताकत देखने का मिलती है जो कदाचित अन्य किसी में नहीं है। कठपुतली संचालक द्वारा अपने मुंह से ही सीटीनुमा आवाज निकालकर भाव व्यक्त किया जाता है। आजकल कठपुतली निर्माण कार्य कठपुतली संचालक स्वयं ही करता है क्योंकि पारम्परिक कठपुतली निर्माता बढ़ई बहुत कम संख्या में रह गये हैं। इन कठपुतलियों को भाट बड़े आदर-भाव से देखते हैं। आज भी इनकी पारम्परिक कठपुतलियों के लंहगों की अनेक परतें इनकी पुरातन प्रियता की द्योतक है। कठपुतलियों के मुंह निर्मित होते हैं तथा अन्य सब अंग रूई व कपड़ों से बनाये जाते हैं। प्रयोग में नहीं आने वाली कठपुतलियों को ये लोग फेंकते नहीं बल्कि आदर पूर्वक जल में प्रवाहित करते हैं।

राजस्थानी कठपुतलियों में चेहरे का आकार शरीर से बड़ा, आंखें काफी बड़ी, वक्षस्थल अत्यन्त लघु एवं उभरा हुआ तथा पांवों का न होना इनकी अपनी विशेषता है। इससे कठपुतलियों का संचालन अत्यन्त सजीव बन जाता है। कठपुतलियों के खेल दिखाने वाले दल में दो या तीन व्यक्ति होते हैं। औरतें ढोलक बजाती हैं व मर्द कठपुतलियां चलाते हैं। इनके दोनों हाथ मशीन की तरह चलते हैं। सीटी द्वारा उत्पन्न विविध ध्वनियां, वाचन के साथ पैर से पैदा की गयी आवाजें तथा ढोलक की विचित्र थापें समस्त नाटक को प्राणवान बना देती हैं।

राजस्थानी कठपुतलियां पिछले सैकड़ों वर्षों से समाज की अवहेलना व उदासीनता की शिकार रही हैं। इन्हें सरकार से किसी प्रकार का कोई संरक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। इन कठपुतली परिचालक भाटों को उनका पिछड़ापन, अंधविश्वास तथा इनकी परम्परागतता ने भी इन्हें काफी हानि पहुंचाई है। सरकार को इन सर्वाधिक पुरातन कठपुतली कला को आधुनिक बनाने के लिए नये कथानक, नये विचार तथा नवजीवन प्रदान करने में सहयोग करना चाहिये ताकि हमारे लोक जीवन का अंग बन चुकी कठपुतली कला सदैव हमारे साथ रहकर मनोरंजन करती रहे।

जीविकोपार्जन के लिए कठपुतली कलाकारों को गांव-कस्बों से पलायन करना पड़ रहा है। कलाकारों ने नाच-गाना और ढोल बजाने का काम शुरू कर लिया है। रोजगार की तलाश ने ही कठपुतली कलाकारों की नई पीढ़ी को इससे विमुख किया है। जन उपेक्षा व उचित संरक्षण के अभाव में नई पीढ़ी इस लोक कला से उतनी नहीं जुड़ पा रही है जितनी जरूरत है। उनके परिवार के सदस्य आज भी अन्य किसी व्यवसाय की बजाय कठपुतली बनाना पसंद करते हैं। वह कहते हैं कि कठपुतली से उनके पूर्वजों की यादें जुड़ी हुई हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

बनारस, बिस्मिल्लाह और शहनाई- एक सुरीली गाथा

-सविता आनंद

उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ सुरों का ऐसा करिश्मा थे जिनकी सादगी के सामने हर सम्मान ने सर झुकाया। उनकी पारंपरिक सोच हर सम्मान व पुरस्कार से थोड़ा और झुक जाने को प्रेरित करती है। वे सादगी, विनम्रता और ईमानदारी के बेमिसाल उदाहरण थे। खाँ साहब कहते थे, सुर भी कभी हिंदू या मुसलमान हुआ है? सुर तो सुर है। उनके लिए संगीत और शहनाई साधारण कला नहीं बल्कि इबादत थी। आज की युवा पीढ़ी को उनकी संगीत साधना से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है।

उस्ताद की जयंती पर हम बात करेंगे शहनाई की उस विरासत की जिसे बेनियाबाग की उस इमारत ने संजो कर रखा है जिसपर भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ साहब का नाम दर्ज है। जी हाँ, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ का वही पुश्तैनी मकान जिसमें कभी उस्ताद रहमत खाँ साहब रहा करते थे। लगभग 200 साल पुरानी इस इमारत की बूढ़ी-कांपती दीवारों ने अपने अंदर सैकड़ों किस्से कहानियों को समाहित किया है। इसके हर एक स्पर्श में अभी भी कंपन है शहनाई की उस गूंज का जिसे कभी बाल बिस्मिल्लाह ने छेड़ा तो कभी भारत रत्न बिस्मिल्लाह ने। इसकी भीतरी सफेद रंग की दीवारों पर शहर की मशहूर हस्तियों की तस्वीरें इसके खूबसूरत सफ़र को बयां ही नहीं करती बल्कि इसके होने का वजूद भी पेश करती हैं। प्रवेश द्वार से सटे अपने छोटे से कमरे में उस्ताद हर रोज़ अपने दोस्तों और परिजनों के साथ शाम की नमाज़ के बाद बैठकी लगाया करते थे और जीवन के हल्के-फुल्के पलों को जिया करते थे। इसी बैठकी में अपने साथियों के साथ वह घंटों होने वाली चर्चा में शामिल रहा करते थे।

इस इमारत ने उनकी बेग़म की उस आवाज़ को भी सुना जब ऊपर रसोईघर से वह चाय बनाकर भेजती थी और उस्ताद अपने हुक्के का आनंद लिया करते थे। ऊपरी मंजिल के छोटे से कमरे में उस्ताद ने पूरा जीवन जीया, जिसमें सिर्फ एक चारपाई, कुर्सी, छड़ी, छाता, पानी का घड़ा, टेबलफैन था। इसी कमरे में उस्ताद से मिलने हजारों लोग आते, उनसे बतियाते, उनकी सादगी से प्रभावित होते और कुछ कर गुजरने का वादा करके चले जाते पर फिर लौट कर न आते। इस इमारत ने वह दौर देखा जब दुनिया भर में उस्ताद कामयाबी का परचम लहरा रहे थे, जब अमेरिका में बसने का उन्हें न्यौता आया था और जब बनारस और बिस्मिल्लाह एक हो गए थे।

आज उस्ताद नहीं हैं लेकिन उनका एहसास इसके कण-कण में समाहित है। आज देश के लिए उस्ताद भले यादों में शामिल हैं लेकिन यह इमारत अपने अंदर एक इतिहास, एक विरासत समेटे है।

एक शिया मुसलमान, जो सुरों की देवी माँ सरस्वती के अनन्य उपासक थे, गंगा स्नान के बाद नमाज़ पढ़ते और फिर काशी विश्वनाथ मंदिर जाकर रियाज़ करते- यह अपने आप में भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति की अद्वितीय मिसाल है। जब भी देश की साझा सांस्कृतिक धरोहर की बात होगी, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ का नाम लिया जाएगा। जब भी शहनाई की बात होगी, उस्ताद की छवि उभर आएगी। जब भी बनारस का ज़िक्र होगा, उस्ताद सर्वोपरि होंगे। और जब भी माँ गंगा की धारा बहेगी, उसमें उस्ताद की आत्मा समाहित होगी।

उस्ताद पर बहुत कुछ लिखा-पढ़ा जा चुका है लेकिन अब समय है उनकी विरासत को संजोने का। कुछ विरासतें अनमोल होती है और यही अतीत के पन्नों में, कहीं पुस्तकों, कहीं इमारतों तो कहीं किस्से-कहानियों में कैद हो जाती है। वक्त के साथ धूमिल होती इन यादों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोना ही वर्तमान पीढ़ी का दायित्व होता है। उस्ताद की विरासत भी मानवता की सच्ची परिभाषा गढ़ती है। इस धरोहर को जीवंत कर हम नई चेतना का सृजन कर सकते हैं। कहीं ऐसा न हो कि शहनाई की यह धरोहर उपेक्षा की शिकार होकर इतिहास में खो जाए।

लेखिका, विरासत-ए-बिस्मिल्लाह नामक संस्था की संस्थापक हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की ओर दिया जा रहा विशेष ध्यान

– प्रहलाद सबनानी

प्राचीनकाल में भारत के नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का भाव जागृत रहता था। जागरुकता तो यहां तक थी कि किस प्रकार जीवन की दिनचर्या स्थापित हो कि परिवार में कोई बीमार ही नहीं हो, बीमारी का निदान तो आगे की प्रक्रिया रहती है। उस खंडकाल में प्रत्येक नागरिक इतना सजग रहता था कि प्रातःकाल एवं सायंकाल में 5/10 किलोमीटर तक नियमित रूप से पैदल चलना एवं योगक्रिया तथा प्राणायाम आदि का अभ्यास नियमित रूप से करता था ताकि शरीर को किसी भी प्रकार का रोग ही नहीं लगे एवं शरीर स्वस्थ बना रहे। इसके साथ ही खानपान, सामान्य दिनचर्या, सूरज डूबने के पूर्व भोजन करना, रात्रि में जल्दी सोना और प्रातःकाल में जल्दी उठना, दिनभर मेहनत के कार्य करना, जैसी प्रक्रिया सामान्यजन की हुआ करती थी। परंतु आज परिस्थितियां बदली हुई सी दिखाई देती हैं। पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे रुझान के चलते युवाओं के खानपान में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई देता है, दिनचर्या में परिवर्तन दिखाई देता है, रात्रि में बहुत देर से सोना और सूर्य नारायण के उदित होने के बाद दिन में बहुत देर से उठना आदि कारणों के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां नागरिकों को घेरने लगी हैं। अतः केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान करने पड़ रहे हैं।

आज केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है।

भारत में नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। अतः केंद्र सरकार ने कैंसर दवाओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए सर्वाइकल कैंसर के लिए अब तक लगभग नौ करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। देश में लगातार बढ़ रही कैंसर के मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के समस्त जिलों में आगामी 3 वर्षों के दौरान डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी। इस प्रकार वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 200 डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना की जा रही है।

इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से दिमागी बुखार से लड़ने में देश को बहुत सफलता मिली है। इससे होने वाली मृत्यु दर अब घटकर छह प्रतिशत रह गयी है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी के मरीजों की संख्या भी घटी है। भारत को टीबी मुक्त बनाए जाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की सही ट्रैकिंग रखने के लिए -ङ्खद्बह्न नामक पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल पर अब तक लगभग तीस करोड़ वैक्सीन खुराक दर्ज हो चुकी है। टेली मेडिसिन के माध्यम से तीस करोड़ से अधिक ई-टेली-कन्सल्टेशन से नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिला है। देश में यदि विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं तो इन बीमारियों के पहचानने के लिए उचित संख्या में डॉक्टरों की उपलब्धता बनी रहे एवं विशेष रूप से गांवों में भी डॉक्टर उपलब्ध रहें इस हेतु केंद्र सरकार द्वारा देश में डॉक्टरों की संख्या को बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में 110,000 नई मेडिकल सीटों का सृजन, 130 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों का सृजन भी किया जा रहा है ताकि आगामी पांच वर्षों के दौरान देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटों के सृजन के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। साथ ही केंद्र सरकार हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग को भी बढ़ावा दे रही है। देश में नए बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइसेस के पार्क भी बनाए जा रहे हैं। इनमें रोजगार के अनेक नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं।

जलजनित बीमारियों के बचाव के उद्देश्य से विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दृष्टि से, ताकि दूषित जल पीने से होने वाली बीमारियों से नागरिकों की रक्षा की जा सके, केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है और अभी तक 15 करोड़ परिवारों (भारत की 80 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या) को इस योजना के अंतर्गत नलों के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा चुका है।

अमेरिका में किसी नागरिक को यदि किसी डॉक्टर से अपाइंटमेंट लेना हो तो कभी-कभी तो एक माह तक इसका इंतजार करना होता है। इमर्जेन्सी की स्थिति में विशेष इमर्जेन्सी अस्पताल में दिखाना होता है, जहां अत्यधिक महंगी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती है। यदि किसी नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध नहीं है तो सम्भव है कि पूरे जीवनभर की कमाई इन विशेष इमर्जेन्सी अस्पतालों में खर्च हो जाए। अतः स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में अमेरिका में आज डॉक्टर को दिखाकर दवाई लेना अति मुश्किल काम है। इन विकसित देशों के विपरीत, भारत में तो किसी भी मोहल्ले में डॉक्टर को बहुत आसानी से दिखाया जा सकता है एवं तुरंत दवाई ली जा सकती है। आज अमेरिका में स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि वहां के नागरिक बीमार होने की स्थिति में स्थानीय डॉक्टर से चूंकि तुरंत समय नहीं मिल पाता है अतः, ये बीमार नागरिक आस पास के देशों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में बिना मेडिकल बीमा के आप जिंदा नहीं रह सकते। अब आप कल्पना करें कि भारत में इलाज कराना कितना आसान है एवं वास्तव में ही इस दृष्टि से हम भारत में एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं। कुल मिलाकर देश में उत्तम स्थिति तो यह होनी चाहिए कि देश के नागरिक बीमार ही नहीं पड़ें, यह तभी सम्भव है जब देश के नागरिक अपनी सनातन संस्कृति के संस्कारों का नियमित रूप से अनुपालन पुनः प्रारम्भ करें। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो केंद्र एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए इसी प्रकार अपने बजट में बहुत बड़ी राशि का प्रावधान करते रहना पड़ेगा।

(लेखक- स्तम्भकार हैं।)

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीगः हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, मणिपुर और हरियाणा ने जीते अपने मैच

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-2025 के अंतिम चरण के दूसरे दिन हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, मणिपुर और हरियाणा ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मुकाबले में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल ए में महाराष्ट्र को 1-0 से हराया। ओडिशा की ओर से दीपिका बरवा ने (57वें) मिनट में गोल महाराष्ट्र से हराया। अगले मैच में मणिपुर ने पूल ए में मध्य प्रदेश को 2-0 से हराया। मणिपुर की ओर से पूजा रामचूरिया ने (41वें) और बेबीरानी देवी संदम ने (56वें) मिनट में एक-एक गोल कर अपनी टीम को टूर्नामेंट में पहली दिलाई। दिन के तीसरे मुकाबले में हरियाणा ने पूल ए में हॉकी मिजोरम को 2-1 से हराया। हरियाणा के लिए सावी ने (44वें) और शशि खासा ने (59वें) मिनट में गोल किए। जवाब में मिजोरम की वनलालरिन्हलुई ने (57वें) मिनट में सांत्वना गोल किया। टूर्नामेंट में यह हरियाणा की दूसरी जीत है।

न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित की

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। स्वास्थ्य लाभ को लेकर अवकाश पर गई सोफी डिवाइन और आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर मेली केर की टीम में वापसी हुई हैं। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार टीम में सूजी बेट्स को चुना गया है। बेट्स टी - 20 सीरीज में 33 की औसत और 112.50 की स्ट्राइक रेट से 99 रन बनाए और शीर्ष स्कोरर रहीं। पिछले वर्ष महिला टी-20 विश्वकप के बाद डिवाइन के पद छोड़ने के फैसले के बाद बेट्स अंतरिम कप्तान के रूप में टीम की अगुआई करना जारी रखेंगी। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद तेज गेंदबाज ली ताहुहू और बल्लेबाज बेला जेम्स की भी क्वाड्रिसेप स्ट्रेन के बाद टीम में वापसी हुई हैं।टी-20 विश्वकप चैंपियन शुक्रवार को ईडन पार्क में ऑकलैंड, टौरंगा और वेलिंगटन में तीन टी-20 मैचों में ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करेगी। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, ÷हम इस सीरीज के लिए सोफ, मेली और ली को वापस पाकर रोमांचित हैं, वे टीम में अमूल्य अनुभव और नेतृत्व लेकर आए हैं।अपनी वापसी पर डिवाइन ने कहा, ÷कुछ समय के लिए खुद को फिर से स्थापित करना और फिर से ध्यान केंद्रित करना अच्छा रहा। मैं लड़कियों के साथ फिर से खेलने के लिए वास्तव में उत्सुक हूँ।

अडानी और पीजीटीआई इनविटेशनल गोल्फ चैंपियनशिप का करेंगे आयोजन

अहमदाबाद। अडानी समूह देश में पुरुषों की प्रोफेशनल गोल्फ की आधिकारिक संस्था पीजीटीआई के साथ मिलकर एक अप्रैल से इनविटेशनल गोल्फ चैंपियनशिप का आयोजन करेगा। अडानी समूह का भारतीय प्रोफेशनल गोल्फ की शुरुआत करना गोल्फ को अधिक लोगों तक पहुँचाना, इसे मेनस्ट्रीम स्पोर्ट में शामिल करना तथा नए भारतीय गोल्फ चैंपियन तैयार करना इसका उद्देश्य है। एक से चार अप्रैल तक ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट होने वाले इस टूर्नामेंट में 1.5 करोड़ की पुरस्कार राशि रखी गयी है। इस अवसर पर अडानी एंटरप्राइज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अडानी ने कहा, हमें कपिल देव और पीजीटीआई के साथ मिलकर भारतीय प्रोफेशनल गोल्फ को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। हमारा लक्ष्य भारत से विश्व स्तरीय गोल्फ चैंपियन तैयार करना है। हम इस खेल को अधिक सुलभ बनाने, ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने और खिलाड़ियों को बेहतरीन ट्रेनिंग एवं खेलने के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीजीटीआई के अध्यक्ष और दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव ने कहा, दुनिया के प्रमुख व्यवसायी समूह, अडानी समूह का सहयोग पीजीटीआई को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इससे भारत में और अधिक बेहतरीन गोल्फ खिलाड़ी तैयार होंगे, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे। मुझे उम्मीद है कि इस टूर्नामेंट के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते देखने आएंगे।

मुम्बई इंडियंस के पहले मैच में सूर्यकुमार होंगे कप्तान

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या पर पिछले वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के आखिरी मैच में धीमे ओवर रेट के कारण एक मैच के लिए लगे प्रतिबंध के कारण आईपीएल के इस सत्र में टीम के लिए सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई इंडियंस की बागडोर संभालेंगे। हार्दिक ने कहा, यह मेरे नियंत्रण से बाहर की चीज है। पिछले साल आखिरी मुकाबले में हमने अंतिम ओवर 1.5 या दो मिनट देरी से किया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन यही नियम है। हमें प्रक्रिया के अनुसार ही चलना होगा। सूर्या भारत के कप्तान हैं और जब मैं नहीं हूं तो वह आदर्श विकल्प हैं। उल्लेखनीय है कि हार्दिक 29 मार्च को गुजरात टाइटंस (जीटी) के साथ अहमदाबाद में होने वाले दूसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। मुंबई का घरेलू मैदान में दो दिन बाद 31 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) साथ मैच है।

गुजरात टाइटन्स ने आईपीएल के लिए कसी कमर

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के रोमांचक सीजन के लिए तैयार है। आज यहां गुजरात टाइटन्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर कर्नल अरविंदर सिंह, क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी, मुख्य कोच आशीष नेहरा, असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल और कैप्टन शुभमन गिल ने आगामी अभियान के लिए टीम की तैयारियों, रणनीतियों और विजन पर जानकारी साझा की। टाइटन्स अपने सीजन की शुरुआत 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ करेंगे। एक मजबूत टीम और सावधानीपूर्वक योजना के साथ, फ्रैंचाइजी पूरे सीजन में ऑन-फील्ड सफलता और प्रशंसकों को बेजोड़ अनुभव देने पर केंद्रित है। गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा, ÷हर आईपीएल सीजन नया उत्साह लेकर आता है और इस साल भी ऐसा ही है। एक फ्रैंचाइजी के तौर पर हमारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट तक ही

सीमित नहीं है, हम स्टेडियम के अंदर प्रशंसकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आकर्षक गतिविधियों से लेकर टिकट की निर्बाध उपलब्धता तक, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि टाइटन्स के प्रशंसक इस सीजन में कुछ खास का हिस्सा बनें। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, हम इस सीजन की टीम को लेकर उत्साहित हैं। खिलाड़ी अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रहे हैं और हर कोई अहमदाबाद में हमारे घरेलू मैच के साथ अभियान की शुरुआत करने के लिए उत्साहित है। हम आगे एक और रोमांचक सीजन की उम्मीद कर रहे हैं। डिस्ट्रिक्ट बाय जमैटो के आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर के रूप में, प्रशंसक जीटी एप और डिस्ट्रिक्ट एप के माध्यम से ऑनलाइन टिकट खरीद सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑफलाइन टिकट अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, सूरत और वडोदरा में कई स्थानों पर उपलब्ध हैं। स्टेडियम का बॉक्स ऑफिस सभी मैच के दिनों में चालू नहीं रहेगा। क्रिकेट के अलावा, गुजरात टाइटन्स स्टेडियम में नए-नए एक्टिवेशन और एंगेजमेंट जोन के जरिए प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बना रहा है। टीम आईपीएल 2025 को टाइटन्स समर्थकों के लिए यादगार सीजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईपीएल 2025 के लिए पूरी टीमः शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, राहुल तेवतिया, राशिद खान, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, मानव सुथार, वाशिंगटन सुंदर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, अरशद खान, गुरनूर बराड़, शेरफेन रदरफोर्ड, साई किशोर, ईशांत शर्मा, जयंत यादव, ग्लेन फिलिप्स, करीम जनत और कुलवंत खेजरोलिया।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम को 58 करोड़ रुपये का पुरस्कार

एजेंसी

मुम्बई। न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। बीसीसीआई द्वारा घोषित इस पुरस्कार राशि का वितरण भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों, कोचिंग, सहयोगी स्टाफ और अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति के बीच होगा। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने भारतीय टीम के लिए पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा, लगातार आईसीसी खिताब जीतना विशेष है और यह पुरस्कार वैश्विक मंच पर भारतीय टीम के समर्पण और उत्कृष्टता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नकद पुरस्कार पर्दे के पीछे हर किसी की कड़ी मेहनत का सम्मान है। यह आईसीसी अंडर-19 महिला विश्वकप जीत के बाद 2025 में हमारी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी है और यह हमारे देश में मौजूद मजबूत क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि भारत ने नौ मार्च को दुबई में खेले गये चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था।

कबड्डी विश्वकप को आईकेएफ ने नहीं किया अधिकृत

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने कहा है कि विश्व कबड्डी महासंघ के तत्वावधान में ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्वकप 2025 को हमने अधिकृत नहीं किया है। आईकेएफ ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि कबड्डी के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) (जिसका अपने संबंधित देश के राष्ट्रीय ओलंपिक महासंघ से संबंध या जुड़ाव है), वह आईकेएफ और एकेएफ का सदस्य-संबद्ध है। अपने-अपने देशों में ओलंपिक सिस्टम की औपचारिक मान्यता वाले ये अधिकृत एनएसएफ ब्रिटेन में चल रहे तथाकथित कबड्डी विश्वकप 2025 में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ, एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) और एशियाई कबड्डी महासंघ (एकेएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है। आईकेएफ 1990 से एशियाई खेलों में पुरुषों और महिलाओं के लिए कबड्डी की पदक स्पर्धा और अन्य अंतरराष्ट्रीय कबड्डी टूर्नामेंटों के संचालन की देखरेख और पर्यवेक्षण करता रहा हैं। ओसीए, आईकेएफ, एकेएफ और एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) का विश्व कबड्डी महासंघ या इसकी किसी भी गतिविधि से कोई लेन-देन या जुड़ाव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार, एशियाई खेलों में कबड्डी पदक प्रतिस्पर्धा वाला कोई भी राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ इस आयोजन में भाग नहीं ले रहा है। ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्व कप में ऐसे देशों का कथित तौर से प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के पास कबड्डी के लिए संबंधित एनएसएफ से कोई मंजूरी नहीं है। आईकेएफ को एकेएफआई द्वारा सूचित किया गया है कि ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्व कप में भारतीय टीम को भारत में कबड्डी के खेल के आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त संरक्षक निकाय-एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) से कोई मंजूरी या मान्यता नहीं है। उन्होंने कहा कि आईकेएफ अपने सभी संबंधित राष्ट्रीय ओलंपिक निकाय को भी अपने विचार से अवगत कराएगा। ताकि वे ब्रिटेन में आयोजित कबड्डी विश्व कप 2025 में भाग लेने वाली अनधिकृत राष्ट्रीय टीमों को कोई अनुचित मंजूरी या मान्यता देने में गुमराह न हों।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स प्रतिस्पर्धा करने और कौशल को बढ़ाने का एक मंच है

एजेंसी

नई दिल्ली। मशहूर पैरालिंपियन सुमित अंतिल और देवेंद्र झाझरिया ने राजधानी में शुरू हो रहे खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण में हिस्सा लेने वाले 1300 से अधिक खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उभरते हुए एथलीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने और अपने कौशल को बढ़ाने का एक मंच है। अंतिल ने साई मीडिया से कहा, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स वापस आ गए हैं। मैं उभरते हुए एथलीटों को शुभकामनाएं देता हूं। यह उभरते हुए एथलीटों और अनुभवी एथलीटों दोनों के लिए प्रतिस्पर्धा करने और अपने कौशल को बढ़ाने का एक मंच है।

झाझरिया ने कहा, इन एथलीटों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। पिछले साल भी, पेरिस में पैरालिंपिक में लगभग 7-8 पदक उन एथलीटों द्वारा जीते गए थे जिन्होंने खेलो इंडिया में भी भाग लिया था। हमें यकीन है कि इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले

एथलीट कई और अंतर्राष्ट्रीय पदक जीतेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। उल्लेखनीय है कि केआईपीजी 2025 छह खेलों - पैरा एथलेटिक्स, पैरा तीरंदाजी, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस और पैरा शूटिंग जैसे खेल आयोजित किया जायेंगे। 1300 से अधिक खिलाड़ियों, 350 सपोर्ट स्टाफ और 150 वॉलंटियर्स की मौजूदगी में आधिकारिक तौर पर उद्घाटन समारोह गुरुवार शाम को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

आरसीए ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड के लिये चयनित नाम घोषित किये

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने विभिन्न श्रेणी में पुरस्कारों के लिये चयनित खिलाड़ियों के नाम घोषित कर दिये हैं। आरसीए की तदर्थ समिति के संयोजक एवं विधायक जयदीप बिहाणी ने बताया कि आरसीए अवार्ड के लिये गठित पुरस्कार चयन समिति के सदस्य रतन सिंह, विमल शर्मा एवं हरीश चंद्र ने आज आयोजित बैठक में विभिन्न आयु वर्ग में राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके देश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा खिलाड़ियों को आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडी अवार्ड 'अभिमान' एवं सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर अवार्ड के चयनित खिलाड़ियों के नाम घोषित किये।आरसीए तदर्थ समिति के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने बताया कि आरसीए द्वारा हर आयु वर्ग के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं महिला खिलाड़ी को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। इसके साथ ही राज्य के पूर्व प्रशासकों को उनके राज्य क्रिकेट में दिए गए अहम् योगदान के लिये सम्मानित करते हुए उन्हें मरणोपरांत 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' के साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र , स्मृति चिन्ह और एक लाख रुपये की इनामी राशि दिए जाएगी। उन्होंने बताया कि आरसीए द्वारा 25 मार्च को जयपुर में होटल मैरियट में आयोजित समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

श्री सिंह ने बताया कि हनुमंत सिंह अवार्ड के लिये सीनियर पुरुष वर्ग में महिपाल लोमरोर को सर्वश्रेष्ठ सीनियर पुरुष खिलाड़ी और महिला वर्ग में सुमन मीणा को सर्वश्रेष्ठ सीनियर महिला खिलाड़ी चुना गया। इसी प्रकार सलीम दुर्रानी अवार्ड - अंडर 23 आयु वर्ग में मोहित चांगरा को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और उषा परेरिया को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया।उन्होंने बताया कि किशन रूंगटा अवार्ड -अंडर 19 आयु वर्ग में जतिन सैनी को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और मैना सियोल को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। लक्ष्मण सिंह अवार्ड के लिये अंडर-16 में यथार्थ भारद्वाज को सर्वश्रेष्ठ अंडर- 16 पुरुष खिलाड़ी और धृति माथुर को सर्वश्रेष्ठ अंडर- 15 महिला खिलाड़ी चुना गया।इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर अवार्ड के लिये कार्तिक शर्मा को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर पुरुष और आयुषी गर्ग को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर महिला खिलाड़ी चुना गया।आरसीए समिति के सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व प्रशासक एवं वरिष्ठ खेल पत्रकार को खेल में दिए उनके अहम् योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें मरणोपरांत आरसीए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड देकर सम्मानित करेगा। इनमें दिवंगत कमल मोरारका, अशोक ओहरी, राजेंद्र सिंह राठौर, राकेश अग्रवाल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आरसीए खेल पत्रकार दिवंगत सुंदर लाल मथुरिया को खेलों में उनके योगदान को देखते हुए मरणोपरांत लाइफ टाइम आरसीए अवार्ड से सम्मानित करेगा।

पैरालंपिक कमिटी ऑफ इंडिया और ओटोबॉक की साझेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। पैरालंपिक कमिटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने देश में दिव्यांग खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्याधुनिक प्रोस्थेटिक, ऑर्थोटिक और व्हीलचेयर समाधान प्रदान करने वाली जर्मनी की कंपनी ओटोबॉक के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। आगामी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से, पीसीआई ने जर्मन कंपनी ओटोबॉक हेल्थकेयर के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। दुनिया की अग्रणी कंपनी ओटोबॉक अत्याधुनिक प्रोस्थेटिक, ऑर्थोटिक और व्हीलचेयर समाधान प्रदान करती है। ओटोबॉक 1988 से ही इंटरनेशनल पैरालिम्पिक कमिटी के आधिकारिक तकनीकी सेवा प्रदाता के रूप में कार्य कर रही है। भारत में इसकी उपस्थिति 1998 से है और यह अपने उन्नत उपकरणों के साथ-साथ देशभर में 23 क्लीनिकों का नेटवर्क संचालित कर रही है, जहां दिव्यांग खिलाड़ियों को आफ्टर-केयर सुविधाएं दी जाती हैं। इस भागीदारी के तहत ओटोबॉक भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रोस्थेटिक समाधान, विशेष प्रशिक्षण और आफ्टर-केयर सेवाएं प्रदान करेगा। कंपनी प्रत्येक खिलाड़ी की जरूरत के अनुसार उच्च-गुणवत्ता वाले प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरण उपलब्ध कराएगी। साथ ही, एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए कोच और प्रोस्थेटिस्ट को भी उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। पीसीआई के कार्यकारी राहुल स्वामी ने इस साझेदारी पर कहा, यह गठजोड़ भारत में दिव्यांग खेलों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। ओटोबॉक के साथ मिलकर हम ऐसी संरचना तैयार कर रहे हैं।

त्रिसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी

बसेल (स्विट्जरलैंड)। भारत की गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली हैं। खेले गये मुकाबले में विश्व की नौंवे नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वैन ब्यूटेन जोड़ी को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 21-17 से आसानी से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का मुकाबला जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमिली लेहमैन से होगा। एक अन्य मुकाबलों में भारत की प्रिया कोनजेंगबाम-श्रुति मिश्रा की जोड़ी को तुर्की की विश्व में 61वें नंबर की जोड़ी नाजलिकन इंसी और बेंगिसू एर्सेटिन ने 21-11, 21-19 से हराया, जबकि वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील को नीदरलैंड की डेबोरा जिल्ले और डेनमार्क की शटलर सारा थिगेसन ने 21-13, 21-13 से हराया।इस बीच, भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने क्वालीफायर में दमदार प्रदर्शन के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। आयुष शेट्टी ने अपने पहले क्वालीफाइंग मैच में इंग्लैंड के चोलन कायन को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 21-15 से हराया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने इसके बाद फ्रांस के विश्व नंबर 400 राफेल गेवियोस को मात्र 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई, जहां उनका सामना 2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के केंटा निशिमोटो से होगा। मुथुसामी ने पहले राउड में इंग्लैंड के शटलर यूहैंग वांग को 21-13, 21-4 से पराजित किया और फिर अपने अंतिम क्वालीफायर में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-7, 21-10 से हराया। मुथुसामी मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन से भिड़ेंगे। एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज पहले ही मुख्य वर्ग में शामिल हो चुके हैं। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, जिन्हें शुरू में क्वालीफायर में खेलना था, को बाद में लक्ष्य सेन के पुरुष एकल से देर से हटने के बाद मुख्य ड्रॉ में पदोन्नत किया गया। श्रीकांत का सामना हमवतन प्रणय से होगा, जो कि 32 राउंड के अखिल भारतीय मुकाबले में होगा। इसी तरह, इशारानी बरुआ का सामना साथी भारतीय शटलर आकर्शी कश्यप से होगा, जिन्होंने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी रोजी ओक्टाविया पंकसारी को 21-16, 21-11 से हराकर मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया है। मिश्रित युगल में आयुष अग्रवाल और श्रुति मिश्रा ने अपना क्वालीफायर जीतकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

इकाना में पंत, मार्करम, मिलर और मार्श ने बहाया पसीना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम ने इकाना स्टेडियम के मुख्य मैदान पर अभ्यास किया। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कप्तान ऋषभ पंत के साथ ही एडेन मार्करम, डेविड मिलर, मिशेल मार्श समेत अन्य खिलाड़ियों को फील्डिंग और कैच पकड़ने का अभ्यास कराया।

इसके बाद मेंटर, जहीर खान, कोच लांस क्लूजनर ने नेट पर बल्लेबाजी के दौरान खिलाड़ियों को हर बॉल पर छक्के लगाने का अभ्यास कराया। इकाना स्टेडियम में आयोजित टीम के अभ्यास सत्र में सभी खिलाड़ियों ने मैदान के चारों ओर छक्के लगाए। अब्दुल समद ने बाउंसर पर थर्ड मैन के ऊपर से चक्का जड़ा, तो ऋषभ ने अपने चिर परिचित अंदाज में कवर के ऊपर से कई छक्के लगाए।

जोश और जुनून के साथ सकारात्मक अंदाज में उतरेगी एलएसजीः खान

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर जहीर खान ने कहा कि जोशीले कप्तान रिषभ पंत की अगुवाई में उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नये सत्र में जुनून और सकारात्मक खेल भावना के साथ मैदान पर उतरेगी। जहीर ने यहां एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा ÷ एलएसजी नये कप्तान के साथ आईपीएल सत्र का आगाज करने जा रही है। रिषभ पंत जोशीले और उत्साही खिलाड़ी हैं जिनके नेतृत्व में एलएसजी निसंदेह सकारात्मक भाव के साथ मैदान पर उतरेगी। रिषभ जोश के साथ सटीक निर्णय लेने के लिये भी जाने जाते हैं। टीम का हर खिलाड़ी जोश और जुनून के साथ मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने को तैयार है और यही भावना टीम को नयी ऊंचाई पर ले

जायेगी। चोटिल खिलाड़ी विशेषकर तेज गेंदबाजों की इस समस्या को लेकर जहीर ने कहा ÷ हमने जब टीम का चयन किया तो हर पहलू को ध्यान में रखा। चोट लगना खेल का एक हिस्सा है और चोटिल खिलाड़ी के बदले हमे रिप्लेसमेंट के लिये तैयार रहना होगा।

टीम की रणनीति और संयोजन को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा कि पहला मैच शुरु होने से पहले मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसला लेना उचित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ टीम की मुलाकात को लेकर उन्होने कहा मुख्यमंत्री खेल की जानकारी रखते हैं। उन्होने भी कहा है कि अच्छे प्रदर्शन के लिये हर खिलाड़ी को अपना शत प्रतिशत देना होगा। उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ी का भविष्य उज्जवल है।

छेत्री की शानदार वापसी, भारत ने मालदीव को हराकर 489 दिनों बाद जीता फुटबॉल मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में मालदीव को 3-0 से हराकर 15 महीने के अंतरराष्ट्रीय जीत के सूखे को समाप्त कर दिया। यह जीत नए स्पेनिश कोच मैनोलो मार्केज़ के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय जीत भी रही। सीनियर डिफेंडर राहुल भेके (34फीसदी) और फीसदीप्लेयर ऑफ द मैचफीसदी लिस्टन कोलासो (66फीसदी) ने भारत के लिए बेहतरीन हेडर के जरिए गोल किए। हालांकि, सबसे बड़ा जश्न कप्तान सुनील छेत्री के लिए मनाया गया, जिन्होंने 76वें मिनट में कोलासो के बाएं फ्लैंक से आए क्रॉस को शानदार हेडर के जरिए नेट में डालकर अपना 95वां अंतरराष्ट्रीय गोल पूरा किया।

286 दिनों बाद छेत्री की वापसी, दर्शकों में दिखा उत्साह

यह मुकाबला शिलांग के जेएन स्टेडियम में पहली बार किसी सीनियर पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी कर रहा था, और स्टेडियम में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भारत के दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने 286 दिनों बाद टीम में वापसी की और अपना 152वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। मैच की

शुरुआत से ही लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह और ब्रैंडन फर्नांडिस ने आक्रामक खेल दिखाया और मालदीव की रक्षा पंक्ति को चुनौती दी, लेकिन पहला गोल करने में टीम को समय लगा।

भेके और कोलासो के गोल से भारत को बढ़त मिली

34वें मिनट में ब्रैंडन फर्नांडिस के कॉर्नर पर राहुल भेके ने दमदार हेडर मारते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद, भारत ने मालदीव को पूरी तरह दबाव में डाल दिया और दूसरे हाफ में कई मौके बनाए। 66वें मिनट में महेश सिंह के कॉर्नर पर लिस्टन कोलासो ने शानदार हेडर के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

छेत्री ने शानदार गोल कर किया जीत पक्की

भारत के लिए अंतिम गोल 76वें मिनट में आया, जब सुनील छेत्री ने कोलासो के क्रॉस को हेडर के जरिए गोल में तब्दील कर दिया। 82वें मिनट में मैनोलो मार्केज़ ने छेत्री को सब्स्टीट्यूट कर इरफान यादवाड को मैदान पर भेजा। छेत्री जब मैदान से बाहर गए तो उन्हें दर्शकों से जबरदस्त सम्मान मिला। इस जीत के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब टीम 25 मार्च को इसी मैदान पर एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर्स में बांग्लादेश का सामना करेगी।

रेज पावर इंफ्रा को 2000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ईपीसी परियोजनाएं मिलीं

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं हासिल की हैं। रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने जारी एक बयान में कहा कि कंपनी को महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं मिली हैं। इसके अलावा असम और मध्य प्रदेश में कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये मूल्य की ईपीसी परियोजनाओं के लिए एल1 बोलीदाता भी घोषित किया गया है, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) का इंतजार है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक केतन मेहता ने कहा, हमारी हालिया बोली जीत में मिलीं परियोजनाएं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हमारी उपस्थिति की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि सौर ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में विशेषज्ञता के साथ-साथ रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड सौर और हाइब्रिड अक्षय समाधानों की तैनाती में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेहता ने कहा कि ये नई परियोजनाएँ स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए रेज पावर इंफ्रा की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

सीतारमण ने कोप 30 अमेजनिया के अध्यक्ष से की भेंट

नयी दिल्ली। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां 2025 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कोप 30 अमेजनिया के अध्यक्ष और भारत में ब्राजील के पूर्व राजदूत आंद्रे अरन्हा कोरेआ डो लागो से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर यह जानकारी दी। वित्त मंत्री ने बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी एमडीबी की दिशा में जी 20 इंडिया एमडीबी रोडमैप पर काम में ब्राजील के नेतृत्व की सराहना की। वित्त मंत्री और श्री लागो ने इस बात पर सहमति जताई कि विकास और जलवायु कार्रवाई के बीच संतुलन महत्वपूर्ण है और प्रत्येक देश को इसे संबोधित करने का अपना तरीका खोजना होगा। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी जलवायु कार्रवाई को सक्षम करने के लिए एक किफायती संक्रमण ऊर्जा स्रोत महत्वपूर्ण है।

सीतारमण ने की बिल गेट्स से मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं बोर्ड सदस्य बिल गेट्स से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा कि श्री गेट्स के साथ फाउंडेशन के सीईओ एवं बोर्ड सदस्य मार्क सुजेन और फाउंडेशन के कंट्री डायरेक्टर-भारत/दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया हरि मेनन भी थे। श्री गेट्स ने वित्त मंत्री के साथ स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्रों में प्रगति के लिए समाधान एवं वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के विकास हेतु भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के साथ फाउंडेशन के जुड़ाव के बारे में चर्चा की। श्री गेट्स ने डिजिटल वित्तीय समावेशन, सार्वजनिक वित्त प्रबंधन, डीपी आई और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में फाउंडेशन के कार्यों को भी साझा किया और कहा कि वह भारत के साथ इस तरह के और अधिक सहयोगात्मक प्रयासों की आशा करते हैं। वित्त मंत्री ने फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की और विश्व स्तरीय ए आई अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए भारत की दूरदर्शी नीतियों का भी उल्लेख किया। श्रीमती सीतारमण ने श्री गेट्स को चार क्षेत्रों अर्थात कृषि, स्वास्थ्य सेवा, टिकाऊ शहर और शिक्षा में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना जैसी भारत की पहलों से अवगत कराया, जो देश के एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहे हैं और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

2000 रु तक के भीम-यूपीआई भुगतान 2025-26 में भी रहेंगे प्रभार मुक्तः सरकार

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ग्राहक से दुकानदार को कम मूल्य वाले भुगतान (पी2एम) में भीम-यूपीआई के उपयोग को को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को वित्त वर्ष 2025-26 में जारी रखने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के भुगतान पर एक निश्चित दर पर प्रोत्साहन की व्यवस्था बनी रहेगी। इस योजना के प्रोत्साहन के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के इस निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वष्णव ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान तेजी से लोक प्रिय हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ग्राहकों की ओर से 2000 रुपये तक के भुगतान को मर्चेंट डिस्काउंट दर (एमडीआर) के प्रभार से मुक्त रखा है। उन्होंने कहा कि 'व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) को कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना' एक साल के लिए जारी रखने का निर्णय किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान तंत्र में ग्राहक का बैंक, फिनटेक और भुगतान प्राप्त करने वाला बैंक , भुगतान सेवा प्रदाता कंपनी और तीसरे पक्ष के मोबाइल ऐप आदि का एक बड़ा तंत्र शामिल होता है ।

स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट बढ़कर 99 हजार करोड़ पहुंचाः केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में दावा किया कि स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का खर्च का सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी धीरे-धीरे 2.5 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 2013-14 में स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट 38000 करोड़ रुपये था, जो अब 99,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया ।

स्वास्थ्य मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 2013-14 में स्वास्थ्य सेवा के लिए धन का आवंटन लगभग 38000 करोड़ रुपये था जो वर्तमान में 99,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 के बीच कुल 22 एम्स बने हैं। उससे पहले यूपीए के 10 साल में केवल एक एम्स खोला गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1960 में पहला एम्स खोला था और तब से लेकर 1998 तक एक भी एम्स नहीं बनी तो 6 एम्स खोले गए लेकिन उसके बाद 10 साल के संप्रग के कार्यकाल में सिर्फ एक एम्स रायबरेली में खोला गया। देशभर में

खोला गया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र में सरकार अभी 15000 जन औषधि केंद्र हैं जबकि इस साल 5,000 और दो साल के अंदर 25,000 केंद्र खोले जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 2013-14 में सरकारी स्वास्थ्य व्यय 1.15 प्रतिशत था और जब स्वास्थ्य नीति प्रतिपादित की गई थी तब यह 1.35 प्रतिशत था। अब यह जीडीपी का 1.84 प्रतिशत है। हम धीरे-धीरे 2.5 प्रतिशत की ओर बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में 2025 तक जीडीपी के हिस्से के रूप में सरकारी स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाकर 2.5 प्रतिशत करने का प्रावधान किया गया है। नड्डा ने कहा कि भारत आज टीवी मुक्त होने की दिशा में अग्रसर है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह नीतियों और उसके क्रियान्वयन के फर्क को दर्शाता है। नड्डा ने सदन को बताया कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु केंद्र के बाद जम्मू, बेंगलुरु, डिब्रूगढ़ और जबलपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी खोला जाएगा।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजड़ियों का जोर, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजड़ियों का बोलबाला रहा। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव जरूर बना लेकिन उसके बाद पूरे दिन लिवाली का जोर बना रहा। बाजार में आई तेजी की वजह से निफ्टी आज 22,900 अंक के स्तर को पार करने में भी सफल रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी, डिफेंस और पीएसयू सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 404.95 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 399.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल?क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के

अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

हुंडई और होंडा कोर्स भी अप्रैल से बढ़ाएंगी अपने वाहनों के दाम

एजेंसी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया के बाद हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) और होंडा कार्स ने भी बढ़ती उत्पादन लागत को देखते हुए अप्रैल से अपने वाहनों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। एचएमआईएल ने जारी एक बयान में कहा कि वह अप्रैल, 2025 से अपने वाहनों की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। मूल्य वृद्धि की मात्रा वेरिएंट और मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने बताया कि कीमत में वृद्धि का यह फैसला उत्पादन की बढ़ती लागत, जिंसों के बढ़े दाम और उच्च परिचालन लागत को देखते हुए किया गया है। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड में हम बढ़ती लागत को यथासंभव अवशोषित करने का प्रयास करते हैं, जिससे हमारे ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित हो सके। हालांकि, परिचालन व्यय में निरंतर वृद्धि के साथ अब मामूली मूल्य समायोजन के माध्यम से इस लागत वृद्धि का एक हिस्सा पारित करना अनिवार्य हो गया है। इस बीच वाहन निर्माता कंपनी होंडा कार्स ने भी अप्रैल से अपने सभी मॉडल की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह अपने वाहनों के दाम में कितनी वृद्धि करने वाली है। होंडा कार्स इंडिया के उपाध्यक्ष (मार्केटिंग और बिक्री) कुणाल बहल ने कहा कि बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन व्यय के कारण कंपनी अप्रैल 2025 से सभी मॉडलों की कीमतों में संशोधन करेगी उल्लेखनीय है कि इस साल यह दूसरी

बार है, जब कार निर्माता कंपनियों ने बढ़ती इनपुट लागत और उच्च परिचालन व्यय के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए ऐसा कर रही हैं। इसके पहले मारुति सुजुकी इंडिया, किआ इंडिया और टाटा मोटर्स ने भी अप्रैल महीने से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान कर चुके हैं।

यूलिप के जरिए हुए 100 करोड़ से अधिक एपीआई कारोबार : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) ने 100 करोड़ एपीआई कारोबार दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक गेम-चेंजर के रूप में उसकी भूमिका मजबूत हुई है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्व स्तरीय, प्रौद्योगिकी-संचालित लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मेक इन इंडिया के तहत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा और विकसित भारत 2047 के विजन को गति देगा। पीयूष गोयल ने कहा, यूलिप की सफलता हमारे उपयोगकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स हितधारकों और सरकारी विभागों के

सहयोगात्मक प्रयासों के बिना संभव नहीं होती, जो प्रभावशाली समाधान बनाने के लिए एपीआई एकीकरण का लाभ उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे प्रधानमंत्री के निर्बाध लॉजिस्टिक्स प्रणाली के दृष्टिकोण को जीवंत करती है, जो व्यापार करने में आसानी को बढ़ाती है और भारत को वैश्विक व्यापार तथा विनिर्माण महाशक्ति के रूप में स्थापित करती है। उन?होंने कहा कि हम यूलिप की क्षमताओं का विस्तार करने और भारतीय लॉजिस्टिक्स को अधिक चुस्त, सुदृढ़ तथा वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2022 को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के तहत एक एकीकृत, कुशल और प्रौद्योगिकी-संचालित लॉजिस्टिक्स क्षेत्र बनाने के लिए यूलिप की शुरुआत की थी। गोयल ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से यह प?लेटफॉर्म सक्रिय रूप से इस विजन को आगे बढ़ा रहा है, जो 11 मंत्रालयों से 43 प्रणालियों को 129 एपीआई के माध्यम से जोड़ता है। उन?होंने कहा कि यह 1,800 से अधिक डेटा फील्ड को कवर करता है, जिससे हितधारकों के लिए व्यापक डेटा एक्सेस सक्षम होता है। 1,300 से अधिक पंजीकृत कंपनियों, 350 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर और 100 करोड़ से अधिक एपीआई कारोबार संपन्न होने के साथ, यूलिप भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में परिचालन दक्षता और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है।

कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत (एलएसआई) के पहले चरण का सफलतापूर्वक किया समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पहल (एलएसआई) के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निदेशक स्तर तक के अधिकारियों में सेवा भाव की भावना को और सबल बनाने के लिए प्रोत्साहन देना है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत व्यापक स्तर पर हस्तक्षेप (एलएसआई) के चरण-1 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह प्रशिक्षण सत्र 27-28 फरवरी और 11-12 मार्च को सिविल सेवा अधिकारी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किए गए।

सार्वजनिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार किए गए चार परस्पर वार्तालाप प्रशिक्षण सत्रों में 120 से अधिक अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसका उद्देश्य सरकारी अधिकारियों की दक्षता और कौशल विकास को बढ़ाना है। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव और सीबीयू प्रमुख बी. पी. पति ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए देश के भविष्य को आकार देने में सार्वजनिक सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सार्वजनिक सेवा एक प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला है।

बिल्ड भारत एक्सपो 2025 का आगाजः केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एमएसएमई को बताया देश की आर्थिक रीढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख औद्योगिक मेले बिल्ड भारत एक्सपो 2025 का यहां भारत मंडपम में भव्य शुभारंभ हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन को भारतीय उद्योग संघ (आईआईए) द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। एक्सपो का मकसद उद्योगों के लिए नए व्यापार अवसरों को बढ़ावा देना, नीतिगत चर्चाओं को प्रोत्साहित करना और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना है। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्सपो का उद्घाटन करते हुए छोटे और मझोले उद्योगों की अहमियत पर जोर दिया। इस अवसर पर 20 देशों के राजदूतों और व्यापार आयुक्तों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और उद्यमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। एक्सपो में 151 से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पादों

और तकनीकों का प्रदर्शन किया, जबकि ऑस्ट्रिया, मलेशिया, रूस, ईरान, कनाडा और आइसलैंड सहित 34 देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं। अपने भाषण में मांझी ने रोजगार, नवाचार और ग्रामीण विकास में एमएसएमई की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनना है, तो छोटे उद्योगों को मजबूती देना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ बड़े उद्योग भारत को आर्थिक महाशक्ति नहीं बना सकते, असली और स्थायी विकास तभी संभव होगा, जब एमएसएमई फलेंगे-फूलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने पैर जमाएंगे।उन्होंने सरकार की कई प्रमुख योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का भी जिक्र किया, जो कारीगरों और छोटे व्यवसायों को वित्तीय सहायता और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसी के साथ उन्होंने उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल्स का लाभ उठाने की भी अपील की, जो व्यापार पंजीकरण और नीति समर्थन को आसान बनाते हैं। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि वे लीजहोल्ड औद्योगिक भूमि को फ्रीहोल्ड में बदलने के पक्ष में हैं और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

शहरी सहकारी बैंक अपने परिचालन को जोखिमों से निपटने में बनाएं सक्षमः संजय मल्होत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) से कहा कि वे अपने परिचालन को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और साइबर संबंधी जोखिमों से निपटने में सक्षम बनाएं। आरबीआई गवर्नर ने देश के विभिन्न भागों में संचालित सभी स्तरों के चुनिंदा शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के अध्यक्षों, प्रबंध निदेशकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ यहां बैठक के दौरान यह बात कही। मल्होत्रा ने शहरी सहकारी बैंकों से आईटी और साइबर संबंधी जोखिमों के खिलाफ परिचालनात्मक रूप से लचीला बने रहने को कहा। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि रिजर्व बैंक गवर्नर ने अपने उद्घाटन भाषण में जमीनी स्तर पर लोगों की सेवा करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में यूसीबी की महत्वपूर्ण भूमिका को

स्वीकार किया। मल्होत्रा ने कहा कि रिजर्व बैंक इस क्षेत्र को उसकी विकास महत्वाकांक्षाओं में सहयोग देना जारी रखेगा। उन?होंने इस बात पर जोर दिया कि शहरी सहकारी बैंकों को भी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। बैठक के चर्चा सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की और विभिन्न सुझाव दिए। आरबीआई के मुताबिक बैठक में उद्योग निकायों राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) और नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज़ लिमिटेड (एनएएफसीयूबी) के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव और स्वानाथन जे. के साथ-साथ विनियमन और पर्यवेक्षण के प्रभारी कार्यकारी निदेशक भी इस बैठक में उपस्थित रहे। यह बैठक रिजर्व बैंक की अपनी विनियमित इकाइयों के साथ बैठक की श्रृंखला का एक हिस्सा है।

इक्सिगो ने एमेडियस से की साझेदारी

कोलकाता। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी इक्सिगो ने वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी एमेडियस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस सहयोग के तहत इक्सिगो अपने प्लेटफॉर्म में एमेडियस की ईडीआईएफएसीटी (प्रशासन, वाणिज्य और परिवहन के लिए इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज) और एनडीसी (नई वितरण क्षमता) तकनीक को एकीकृत करेगा, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प, बेहतर लचीलापन और एक सहज उड़ान बुकिंग अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी के तहत इक्सिगो एमेडियस की अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाकर अपनी एयरलाइन सामग्री को मजबूत करेगा और यात्रियों को अधिक व्यापक यात्रा समाधान प्रदान करेगा। इससे न केवल उन्नत पोस्ट-बुकिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी बल्कि एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर कई यात्रा विकल्पों की पेशकश भी की जा सकेगी। इससे महंगे और कम स्केलेबल विकल्पों की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे यात्रियों को अधिक किफायती और सुविधाजनक सेवाएं मिलेंगी। इक्सिगो के ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आलोक बाजपेयी और ग्रुप सह-सीईओ रजनीश कुमार ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, हम एमेडियस के साथ साझेदारी कर बेहद उत्साहित हैं। इक्सिगो में हमारा मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करना है। यह सहयोग हमें अपनी एयरलाइन सामग्री को और मजबूत करने में मदद करेगा, जिससे यूजरों को एक सहज, वन-स्टॉप यात्रा योजना अनुभव मिलेगा।

रुपये की कीमत में 14 पैसे की मजबूती, डॉलर के मुकाबले 86.43 के स्तर पर पहुंचा रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत में मजबूती का दौर लगातार जारी है। डॉलर के मुकाबले रुपया आज दिन भर के कारोबार के बाद 14 पैसे की मजबूती के साथ 86.43 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 86.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 7 पैसे की कमजोरी के साथ 86.64 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया कमजोर होकर 86.68 के स्तर तक पहुंचा। लेकिन बाद में इसने रिकवरी करके 86.41 रुपये प्रति डॉलर तक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त रुपया सर्वोच्च स्तर से दो पैसे गिरकर 86.43 के स्तर पर बंद हुआ। डॉलर के साथ ही रुपये ने आज दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय

मुद्राओं की तुलना में मजबूती दर्ज की। ब्रिटिश पॉण्ड (जीबीपी) आज पूरे दिन के कारोबार के बाद रुपये की तुलना में 41 पैसे की कमजोरी के साथ 112.12 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह यूरो आज के कारोबार के बाद रुपये की तुलना में 57 पैसे की कमजोरी के साथ 94.22 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा चीनी मुद्रा चाइनिज युआन रेनमिनबी (सीएनवाई) रुपये की तुलना में 3.29 पैसे की कमजोरी के साथ 11.94 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार के जानकारों का कहना है कि शेयर बाजार की मजबूती और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी के कारण रुपये की कीमत में लगातार चौथे कारोबारी सत्र के दौरान मजबूती का रुख बना है। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में आई गिरावट से भी रुपये को सपोर्ट मिला है।मार्केट एक्सपर्ट अंशुमन चौधरी के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से स्टॉक मार्केट में की जा रही खरीदारी और कच्चे तेल की कीमत में बने दबाव के कारण आने वाले दिनों में भी रुपये की कीमत में मजबूती आने की संभावना बनी हुई है। अगर विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से खरीदारी तेज की गई और कच्चे तेल की कीमत भी मौजूदा स्तर के आसपास बनी रही, तो इसी सप्ताह भारतीय मुद्रा की कीमत 86.10 से लेकर 86.20 रुपये प्रति डॉलर तक भी पहुंच सकती है।

पाक रक्षा मंत्री ने अफगानिस्तान में 'आतंकवाद विरोधी' अभियान शुरू करने का दिया संकेत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संकेत दिया कि देश की सेना अफगानिस्तान में 'आतंकवादी ठिकानों' के खिलाफ अभियान शुरू कर सकती है। ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान और तालिबान सरकार पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकवादी समूहों को समर्थन देने का आरोप लगाते हुए कहा, 'अगर हमें किसी देश में पाकिस्तान के दुश्मनों पर हमला करना पड़ा तो हम ऐसा करेंगे। आसिफ ने यह बयान मंगलवार को पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक के एक दिन बाद दिया है। इस बैठक में सभी प्रकार के आतंकवाद को खत्म करने का फैसला लिया गया। शरीफ सरकार ने बार-बार दावा किया है कि अफगान तालिबान पाकिस्तान विरोधी समूहों को पनाह दे रहा है, उन्हें मदद दे रहा है, उनका समर्थन कर रहा है और उन्हें पैसे भी दे रहा है। पाकिस्तान ने पहले भी अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए हैं। उसका दावा है कि उसने टीटीपी आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें मार गिराया। दिसंबर 2024 में किए गए हवाई हमलों में पाकिस्तान के दक्षिण वजीरिस्तान आदिवासी जिले के पास पक्तिका प्रांत के बरमल जिले को निशाना बनाया गया।

ट्रंप-पुतिन बातचीत के चंद घंटों बाद यूक्रेन-रूस का एक दूसरे पर हवाई हमले करने का आरोप

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत के कुछ ही घंटों बाद रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे पर ऊर्जा लक्ष्यों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। जबकि दोनों ही पक्ष ऊर्जा ढांचे को निशाना न बनाने पर समहत हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी और रूसी नेताओं के बीच हुई टेलीफोन वार्ता में पुतिन ने प्रस्तावित 30 दिवसीय पूर्ण युद्धविराम को अस्वीकार कर दिया, जिसे यूक्रेन स्वीकार कर चुका है। पुतिन ने कहा कि वह केवल ऊर्जा ढांचे पर हमलों को रोकने पर सहमत हैं। इस प्रस्ताव को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने तुरंत स्वीकार लिया, हालांकि उन्होंने अधिक व्यापक युद्धविराम को अस्वीकार करने के लिए मास्को की निंदा की।

हालांकि यह छोटा विराम भी सवालों के घेरे में आ गया। मॉस्को ने कहा कि यूक्रेन ने दक्षिणी रूस में एक तेल पंपिंग स्टेशन पर हमला किया, जबकि कीव ने कहा कि रूस ने अस्पतालों और घरों पर हमला किया और उसके कुछ रेलवे की बिजली काट दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि लगातार हो रहे हमलों से पता चलता है कि मॉस्को के शब्द उसके कार्यों से मेल नहीं खाते और रूस अभी भी शांति के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को किसी भी युद्धविराम की निगरानी का प्रभार दिया जाना चाहिए।

सिंध प्रांत में अल्पसंख्यक समुदाय में आत्महत्या के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी

इस्लामाबाद । सिंध प्रांत के थारपारकर जिले में आत्महत्या के बढ़ते मामलों ने अल्पसंख्यक समुदाय और विभिन्न मानवाधिकार समूहों को चिंतित कर दिया है। यह वह प्रांत है जहां पाकिस्तान की अधिकांश हिंदू आबादी रहती है। विवरण से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में लगभग 700 लोगों ने आत्महत्या कर ली है। इनमें से अधिकांश हिंदू समुदाय से हैं जो जिले की आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। 2024 में, 76 महिलाओं सहित 146 लोगों ने अपना जीवन समाप्त कर लिया। इस साल, अब तक सात महिलाओं सहित कम से कम 19 लोगों ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या रोकथाम उपायों से संबंधित संगठन उम्मीद घर के अध्यक्ष काशी बजीर ने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि पिछले कुछ सप्ताहों में छह लोगों ने आत्महत्या कर ली। बजीर ने कहा, सभी मामलों की विभिन्न कोणों से गहन जांच की जानी चाहिए ताकि वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस को एक रणनीति तैयार करने और इस सिलिसिले को रोकने की तत्काल जरुरत है। यहां के लोग दशकों से कई चुनौतियों, प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहे हैं और गरीबी में जी रहे हैं। कई लोगों का मानना ??है कि वे गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट से भी पीड़ित हैं। अधिकारी आत्महत्या के बढ़ते मामलों के पीछे मूल कारण का पता लगाने में नाकाम रहे हैं। विशेषज्ञ हिंदू समुदाय की जानबूझकर उपेक्षा को मुख्य कारण बताते हैं।

बंगलादेश में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे : यूनुस

ढाका। बंगलादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अमेरिकी सीनेटर गैरी पीटर्स को आश्वासन दिया है कि देश में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष होंगे और पिछले समारोहों की तरह उत्सव के माहौल में आयोजित किए जाएंगे। ढाका ट्रिब्यून नेअपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक श्री यूनुस ने स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में दौरे पर आए सीनेटर के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, ÷चुनाव बड़े जश्न के साथ होंगे , जैसे हमने पहले भी देखा है। मुख्य सलाहकार ने कहा कि यदि राजनीतिक दल न्यूनतम सुधारों पर सहमत होते हैं, तो सरकार दिसंबर में चुनाव कराएगी। अगर राजनीतिक दल सरकार से बड़े सुधार पैकेज की मांग करते हैं, तो आम चुनाव कुछ महीने बाद कराए जाएंगे। एक घंटे की बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। सीनेटर पीटर्स के अंतरिम सरकार की सुधार पहलों से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए यूनुस ने कहा कि यदि प्रमुख आयोगों द्वारा प्रस्तावित सुधारों पर राजनीतिक दल सहमत होते हैं।

अमेरिका की इजराइल की नीति का विरोध करने पर भारतीय शोधकर्ता हिरासत में

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के एक भारतीय शोधकर्ता को संघीय आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में छात्र वीजा पर अध्ययन और अध्यापन कर रहे बदर खान सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया के अर्लिंग्टन के रॉसलिन में उनके घर के बाहर से गिरफ्तार किया गया। डिजिटल अखबार 'पॉलिटिको' की खबर के अनुसार, सूरी पर अमेरिका की इजराइली विदेश नीति का विरोध करने का आरोप लगाया गया है। उनके वकील हसन अहमद ने मुवक्किल की तत्काल रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि अधिकारियों ने खुद को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से संबद्ध बताया। उन्होंने सूरी को बताया कि सरकार ने उनका वीजा रद्द कर दिया है। वकील

अहमद ने याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी पत्नी की फिलिस्तीनी विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। सूरी की पत्नी मफेज सालेह अमेरिकी नागरिक हैं। सरकार को संदेह है कि वह और उनकी पत्नी इजराइल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करते हैं। साथ ही कुछ वेबसाइटों पर मफेज सालेह के हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया गया है। वह अल जजीरा के लिए काम कर चुकी हैं। पॉलिटिको ने अपनी खबर में भारतीय अखबार हिंदुस्तान टाइम्स में इस जोड़े के बारे में 2018 में प्रकाशित एक लेख का जिक्र किया है। इस लेख के अनुसार, मफेज सालेह के पिता अहमद यूसुफ हमास के शीर्ष नेतृत्व के वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार रह चुके हैं। उधर, होमलैंड सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को एक आदेश जारी किया कि विदेश नीति कारणों से सूरी का वीजा रद्द कर दिया जाना चाहिए। प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, सूरी जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में एक विदेशी विनिमय छात्र था जो सक्रिय रूप से हमास का प्रचार कर रहा था और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहा था। सूरी के एक ज्ञात या संदिग्ध आतंकवादी से घनिष्ठ संबंध हैं, जो हमास का वरिष्ठ सलाहकार है। इस बीच वकील अहमद ने कहा कि वह सूरी से संपर्क नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा कि सूरी का मुकदमा मंगलवार को वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में संघीय अदालत में दायर किया गया। पॉलिटिको ने अदालत से सूरी की याचिका की प्रति प्राप्त की है। बुधवार शाम तक सूरी के मामले में किसी न्यायाधीश को नियुक्त नहीं किया गया था और अदालत ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की थी।

अमेरिका ने शुरू किया यमन की राजधानी और अन्य प्रांतों पर हवाई हमलों का नया राउंड

एजेंसी

सना । यमन की राजधानी सना पर अमेरिका ने एक बार फिर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। इनमें सात महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। समाचार एजेंसी ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी के हवाले से बताया कि इन हमलों में सना के गेराफ इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत को निशाना बनाया गया, जिससे आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा और बगल की इमारत में शरण लिए हुए आम लोग घायल हो गए। हूती नियंत्रित हेल्थ अथॉरिटी के अनुसार, यह इस इलाके पर अमेरिका का दूसरा हमला था। इससे पहले शनिवार को हुए हमलों में 53 लोग मारे गए थे और 98 घायल हुए थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। अमेरिकी हमले सना तक ही सीमित नहीं रहे। हूती नियंत्रित इलाकों में सादा, अल-बायदा, होदेदाह और अल-जौफ प्रांतों में भी बमबारी की गई। उत्तरी यमन को नियंत्रित करने वाले हूती ने इससे पहले दावा किया था कि उन्होंने लाल सागर में अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस हैरी ट्रूमैन पर क्रूज मिसाइलें दागी थीं। उनका कहना है कि यह 72 घंटे में चौथी बार हुआ है। एक बयान में हुती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि यह अभियान क्रूज मिसाइलों और ड्रोनों के साथ चलाया गया तथा दावा किया कि यह शत्रुतापूर्ण अमेरिकी हवाई हमले को विफल करने में सफल रहा।

हूती समूह का यह भी कहना है कि वे केवल उन जहाजों को निशाना बना रहे हैं जिनका संबंध इजरायल से है। उनका मकसद इजराइल पर दबाव डालना है ताकि वह गाजा में हमला रोक दे और फिलिस्तीनियों तक राहत सामग्री पहुंचने दे।

इजराइल का गाजा पर जमीनी हमला, 70 की मौत

एजेंसी

गाजा पट्टी। इजराइल ने गाजा पट्टी में सक्रिय आतंकी समूह हमास को तहस-नहस करने के इरादे से युद्ध विराम टूटने के बाद पहली बार जमीनी हमला किया। इस हमले में कम से कम 70 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि उसने गाजा में हमास के ठिकानों पर धावा बोला। इस लड़ाई में महत्वपूर्ण जगहों पर उसने कब्जा कर लिया।इससे एक दिन पहले इजराइल ने बमबारी की थी। बमबारी में कम से कम 400 लोगों की जान गई। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल ने जमीनी लड़ाई गाजा पर बमबारी करने के एक दिन बाद शुरू की है। इसी के साथ हमास के साथ युद्ध विराम टूट गया। इजराइल ने हमास पर बंधकों को रिहा करने से इनकार करने और मध्यस्थों के प्रस्तावों को अस्वीकार करने का आरोप लगाया। वहीं, हमास ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर एकतरफा युद्ध विराम खत्म करने और बंधकों को जोखिम में डालने का आरोप मढ़ा है। इजराइल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसके सैनिकों ने उत्तरी और दक्षिणी गाजा के बीच आंशिक बफर बनाने के लिए मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में लक्षित जमीनी गतिविधियां शुरू की हैं। आईडीएफ ने कहा कि हमारे सैनिकों ने नेत्जारिम कॉरिडोर के केंद्र को नियंत्रण में ले लिया है। इजराइल के आक्रामक रुख से हमास के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मची हुई है। एक बयान में आतंकवादी समूह ने कहा कि वह जनवरी में इजराइल के साथ किए गए युद्धविराम समझौते के प्रति प्रतिबद्ध है। गाजा के नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बासल के अनुसार, गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 70 लोग मारे गए। मारे गए लोगों में से 50 उत्तरी और मध्य गाजा, जबकि 20 लोग दक्षिणी शहरों राफाह और खान यूनिस के हैं। इस बीच उत्तरी गाजा के बेत लाहिया में एक कब्रिस्तान पर इजरायली हमले में 21 लोगों के मारे जाने की खबर है। बासल ने बताया कि गाजा शहर के अल-सबरा इलाके में हुए हमले में छह बच्चों सहित 21 अन्य लोग मारे गए। नागरिक सुरक्षा ने कहा कि इजराइल की मानवीय सहायता पर लगभग तीन सप्ताह तक लगाई गई नाकेबंदी से एन्क्लेव में पहले से ही खराब स्थिति और खराब हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइली हवाई हमलों में गाजा में 400 से अधिक लोग मारे गए। रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज ने चेतावनी दी कि अगर इजराइली बंधकों को वापस नहीं किया गया तो गाजा के निवासियों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

तुर्की में इस्तांबुल के मेयर की गिरफ्तारी, विपक्ष ने बताया 'तख्तापलट'

एजेंसी

अंकारा। तुर्की में राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के मुख्य प्रतिद्वंद्वी और इस्तांबुल के लोकप्रिय मेयर एकरेम इमामोगलु को भ्रष्टाचार और आतंकवादी संगठन की सहायता के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने इस कार्रवाई को हमारे अगले राष्ट्रपति के खिलाफ तख्तापलट करार दिया है।

इमामोगलु की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब वे सीएचपी के राष्ट्रपति पद के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में नामित होने वाले थे। उनकी लोकप्रियता और एर्दोगन के खिलाफ बढ़ती राजनीतिक चुनौती को देखते हुए इसे विपक्ष पर राजनीतिक हमला माना जा रहा है। इमामोगलु की गिरफ्तारी के बाद तुर्की की मुद्रा लीरा में भारी गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले लीरा 12त्न तक गिरकर 42 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। यह तुर्की में कानून के कमजोर होते शासन और राजनीतिक अस्थिरता को दर्शाता है, जिससे निवेशकों की

> इमामोगलु की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब वे सीएचपी के राष्ट्रपति पद के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में नामित होने वाले थे।

चिंताएं बढ़ गई हैं। 54 वर्षीय इमामोगलु ने हिरासत में लिए जाने के बाद हाथ से लिखे एक पत्र में जनता से अपील की कि वे उनके खिलाफ झूठ, साजिश और षड्यंत्र का डटकर मुकाबला करें। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने पुलिस स्टेशन जाते समय कहा, मैं किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं हूं। वहीं, तुर्की के न्याय मंत्री यिलमाज़ तुंच ने राष्ट्रपति एर्दोगन और कानूनी प्रक्रिया को जोड़ने पर आपत्ति जताई और विपक्ष को तख्तापलट शब्द का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी। सरकार ने विरोध प्रदर्शनों पर अस्थायी प्रतिबंध भी लगा दिया और पुलिस ने कई इलाकों को सील कर दिया। हालांकि, इसके बावजूद सैकड़ों प्रदर्शनकारी पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए और नारेबाजी की- वो दिन आएगा जब एर्दोगन की एके पार्टी को इसका हिसाब देना होगा! ऐसे में यदि विपक्षी दल बड़े विरोध प्रदर्शनों का आह्वान करता है, तो यह सरकार की असहमति को कुचलने की मंशा की एक बड़ी परीक्षा होगी। बीते साल से सरकार ने कई विपक्षी मेयरों को बर्खास्त कर दिया है और एक राष्ट्रवादी पार्टी नेता को जेल भेज दिया है। इमामोगलु की गिरफ्तारी से तुर्की में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है, जिससे अगले चुनाव में लोकतंत्र और सत्ता संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।

फिनलैंड के लोग दुनिया में सबसे ज्यादा खुश

एजेंसी

वाशिंगटन। समूची दुनिया में फिनलैंड के लोग सबसे ज्यादा खुश हैं। इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर की प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2025 के अनुसार, फिनलैंड ने लगातार आठवें साल खुशहाल देशों की सूची में प्रथम स्थान हासिल किया है। डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। यह रिपोर्ट गैलप, वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क की मेहनत का नतीजा है।

नॉर्डिक देशों का जलवा

सीएनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, गैलप की प्रबंध निदेशक इलाना रॉन लेवे ने कहा कि नॉर्डिक देशों का इस सूची में शीर्ष पर होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। फिनलैंड के लोग अपने जीवन के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में ऐसा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि नॉर्डिक शब्द का मतलब है उत्तरी यूरोप और खास तौर पर स्कैंडिनेवियाई क्षेत्र। नॉर्डिक शब्द की उत्पत्ति स्थानीय शब्द 'नॉर्डेन' से हुई है। इसका मतलब है 'उत्तर'। आमतौर पर नॉर्डिक शब्द का इस्तेमाल बाल्टिक सागर के आसपास के यूरोप के उत्तरी क्षेत्र के लिए किया जाता है।

अमेरिका शीर्ष 10 देशों में भी नहीं

रॉन लेवे ने कहा कि सूची तैयार करने में रिपोर्ट में शामिल 130 से अधिक देशों की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार से मुक्ति के प्रयासों का ध्यान रखा गया। लेवे का मानना ??है कि एक और फिनलैंड को अन्य देशों से अलग रखती है। वह है परोपकारी कार्यों का महत्व। वह कहती है कि परोपकार करने से खुशी को भी बढ़ावा मिलता है। संयुक्त राज्य अमेरिका शीर्ष 10 की सूची में जगह बनाने में विफल रहा और वास्तव में पिछले साल 23वें स्थान से गिरकर 24वें स्थान पर आ गया। रॉन लेवे ने कहा कि अमेरिकी अकेले भोजन करने में अधिक से अधिक समय बिता रहे हैं।

वह कहती हैं कि खुशी का मतलब सिर्फ जीडीपी या उच्च वेतन से नहीं बल्कि विश्वास, सामाजिक संबंध, रिश्ते और इन सभी अलग-अलग आयामों से है। यही बात सबसे ज्यादा खुश देशों को अलग करती है। उन्होंने कहा कि कोस्टा रिका और मेक्सिको दोनों पहली बार शीर्ष 10 पर पहुंचे हैं। इससे पता चलता है कि लोगों को खुश करने के लिए आपको दुनिया के सबसे धनी देशों में से एक होने की जरूरत नहीं है। बुनियादी आर्थिक जरूरतें पूरी होने पर उच्च जीवन मूल्यांकन भी संभव है।

दुनिया के शीर्ष 10 सबसे खुशहाल देश

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2025 की सूची में शीर्ष देशों में क्रमशः फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, कोस्टा रिका, नॉर्वे, इजराइल, लक्जमबर्ग और मेक्सिको हैं। डेनमार्क 2025 के लिए दुनिया का दूसरा सबसे खुशहाल देश है। यह एक दशक से ज्यादा समय से वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में शीर्ष 10 में रहा है। रॉन लेवे कहती हैं कि हालांकि डेनमार्क के लोग दुनिया के सबसे ज्यादा करों में से कुछ का ही भुगतान करते हैं। देश में अधिकतर स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त हैं। बच्चों की देखभाल पर सब्सिडी दी जाती है। विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ाई के दौरान खर्चों को पूरा करने के लिए अनुदान प्राप्त करते हैं। बुजुर्गों को पेंशन मिलती है और उन्हें देखभाल करने वाले सहायक उपलब्ध कराए जाते हैं।

गाजा में शोक सभा के दौरान इजरायली हवाई हमले में 16 की मौत, 30 घायल

एजेंसी

गाजा । गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में कम से कम 16 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए। समाचार एजेंसी ने फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से बताया कि यह हमला बेत लाहिया के सलातीन इलाके में हमला हुआ, यहां लोगों ने पहले हुए इजरायली हमलों के पीड़ितों के लिए शोक सभा आयोजित की थी। इजरायल की सेना ने इस घटना पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। गाजा में इजरायली सेना के नए हमलों के बीच यह हमला हुआ। इजरायल का कहना है कि उसके हमले हमास के आतंकियों को निशाना बना रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अब तक 430 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इस दौरान, जो संघर्ष विराम 19 जनवरी से जारी था, वह खत्म हो गया। मारे गए लोगों में 170 से ज्यादा बच्चे और 80 महिलाएं भी शामिल हैं। इजरायल की सेना का कहना है कि ये हमले हमास के खतरों को खत्म करने के लिए किए जा रहे हैं और तब तक जारी रहेंगे जब तक उनके रणनीतिक लक्ष्य पूरे नहीं हो जाते। वहीं, फिलिस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेताया है कि गाजा के अस्पतालों में घायलों की काफी भीड़ है और आपातकालीन सेवाएं ठीक से काम नहीं कर पा रही हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री, इसराइल काट्ज ने कहा कि बीते दो दिनों के हवाई हमले सिर्फ शुरुआत हैं। उन्होंने चेतावनी दी, इसके बाद और भी गंभीर हमले होंगे, और तुम इसकी पूरी कीमत चुकाओगे। हमास के मीडिया कार्यालय ने बताया कि गाजा के 20 लाख लोगों को भोजन की भारी कमी और ऐसे मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया।

अब तक का सबसे गर्म साल रहा 2024, संरा ने जारी की क्लाइमेट स्टेटस रिपोर्ट

एजेंसी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपनी वार्षिक क्लाइमेट स्टेटस रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा। इसने 2023 के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। संगठन के अनुसार, 2024 में पहली बार वैश्विक तापमान 1850-1900 में निर्धारित आधार रेखा से 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। यह रिपोर्ट 19 मार्च को यहां संगठन की महासचिव प्रो. सेलेस्टे साउलो ने जारी की।

इससे पहले की रिपोर्ट में 2014 से 2023 का समय सबसे गर्म दशक के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। इन 10 वर्षों में हीटवेव ने महासागरों को प्रभावित किया। साथ ही ग्लेशियरों को रिकॉर्ड नुकसान हुआ। यही नहीं साल 2024 में चक्रवात, बाढ़, सूखा और अन्य आपदाओं ने 2008 के बाद से

सबसे अधिक लोगों को विस्थापित किया। लगभग 36 मिलियन लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिचुआन भूकंप के बाद चीन में लाखों लोग विस्थापित हुए। बाढ़ ने भारत में भी लाखों लोगों को प्रभावित किया। सऊदी अरब सहित दर्जनों स्थानों में अभूतपूर्व हीटवेव दर्ज की गई। हज यात्रा के दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया । रिपोर्ट में आगाह किया है कि मानव निर्मित जलवायु परिवर्तन के संकेत 2024 में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। संभवतः 2024 पहला कैलेंडर वर्ष है, जिसका तापमान पूर्व औद्योगिक युग से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वैश्विक औसत सतही तापमान 1850-1900 के बीच 1.55 ह 0.13 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट में जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और जलवायु सेवाओं में निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है। संगठन की महासचिव प्रो. सेलेस्टे साउलो ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि पेरिस समझौते के दीर्घकालिक तापमान लक्ष्य पहुंच से बाहर हैं। यह एक चेतावनी है कि हम अपने जीवन, अर्थव्यवस्था और ग्रह के लिए जोखिम बढ़ा रहे हैं। 2024 के दौरान महासागर गर्म होते रहे। समुद्र का स्तर बढ़ता रहा और अम्लता बढ़ती रही। ग्लेशियर तेजी से पिघल और सिकुड़ रहे हैं। इस जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में विनाशकारी परिणाम सामने आ रहे हैं।

नेपाल में सर्वेक्षण, संविधान की प्रस्तावना में 'हिन्दू राष्ट्र' रखने का सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस को सुझाव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में मची राजनीतिक उथलपुथल के बीच देश की सबसे बड़ी राजनीतिक दल नेपाली कांग्रेस को संविधान की प्रस्तावना में हिन्दू राष्ट्र रखने का सुझाव दिया गया है। नेपाली कांग्रेस से आबद्ध पेशागत, बौद्धिक और वकीलों के संगठनों ने देशभर में सर्वेक्षण कर पार्टी नेतृत्व को यह सुझाव दिया है। कहा गया है कि इस समय रजवाड़ों की सक्रियता को रोकना है तो देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित करना होगा। पार्टी के बौद्धिक संगठन की प्रभारी डॉ. डीला संग्रौला ने एक समारोह में पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा को इस सर्वेक्षण का परिणाम सुझाव सहित सौंपा।

इस सर्वेक्षण में पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और पार्टी के समर्थकों तथा वोटरों के बीच जाकर किया गया है। इसमें अधिकांश लोगों ने नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र बनाने को लेकर पार्टी को इस मुहिम का नेतृत्व करने का सुझाव दिया गया है। नेपाल के संविधान से धर्मनिरपेक्षता शब्द को

हटा कर हिन्दू राष्ट्र लिखने की बात पर पूरे देश भर में एकमत होने की बात डॉ. डीला संग्रौला ने बताई। उन्होंने बताया कि इस समय पूरे देश का मूड है कि हिन्दू राष्ट्र वाले अभियान का नेपाली कांग्रेस नेतृत्व करे। संग्रौला ने यह भी कहा कि राजतंत्र को लेकर जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से माहौल बनाया जा रहा है उसकी काट के लिए हिन्दू राष्ट्र के एजेंडा को ही आगे बढ़ाना एक मात्र विकल्प है। इस सर्वेक्षण में लोगों ने माना है कि देश में लोकतंत्र और गणतंत्र की रक्षा के लिए और देश में फिर से निरंकुश राजतंत्र को नही आने देने के लिए भी हिन्दू राष्ट्र का एजेंडा एकमात्र विकल्प है।

जर्मनी ने गाजा के सहायता काफिले के लिए 32 ट्रक भेजे

अम्मान। जर्मनी ने जॉर्डन हाशमी चैरिटी ऑर्गनाइजेशन (जेएचसीओ) के गाजा में सहायता पहुंचाने वाले काफिले में शामिल होने के लिए अपने 32 ट्रक यहां भेजे। जेएचसीओ के महासचिव हुसैन शिबली ने जर्मनी को उसके

लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया तथा तत्काल जरूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाने में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। हस्तांतरण समारोह में जॉर्डन स्थित जर्मन दूतावास ने कहा कि जॉर्डन मानवीय गलियारा गाजा और उसके निवासियों के लिए 'जीवन रेखा' है, जिन्हें सहायता की सख्त जरूरत है। जॉर्डन अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण गाजा में सहायता के प्रवाह को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अतिरिक्त, जॉर्डन सशस्त्र बलों के रॉयल मेडिकल सर्विसेज निदेशालय को उपचार सामग्री और उपकरणों सहित जर्मन चिकित्सा सहायता की सातवीं खेप प्राप्त हुई है । जर्मन राजदूत बर्ट्राम वॉन मोल्टके ने कहा कि जर्मनी ने 2023 से गाजा में जॉर्डन के फील्ड अस्पतालों को लगभग 16 टन चिकित्सा आपूर्ति की है।

पाकिस्तान की हुकूमत पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर का तंज, कहा-विज्ञप्तियों से नहीं खत्म होगा आतंकवाद

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लंबे समय से अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने आतंकवाद के मुद्दे पर संघीय सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विज्ञप्तियों से आतंकवाद कभी नहीं खत्म होगा। अगर ऐसा होता तो जाने कब पाकिस्तान से आतंकवाद खत्म हो जाता। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने का संकल्प लेने वाले शीर्ष नागरिक-सैन्य दल की कड़ी आलोचना की और तर्क दिया कि केवल बैठक करने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता।पाकिस्तान के द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की खबर के मुताबिक, एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा कि अगर आतंकवाद को केवल एक विज्ञप्ति जारी करने या एक बैठक करने से खत्म किया जा सकता, तो यह अब तक खत्म हो चुका होता। उन्होंने सुझाव दिया कि देश से आतंकवाद को खत्म करने की रणनीति तैयार करने के लिए एक समिति गठित की जानी

चाहिए। उनकी यह टिप्पणी आतंकवाद को पूरी ताकत से हराने के लिए एकता और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिए जाने के एक दिन बाद आई है। यह प्रतिबद्धता पिछले दिनों नेशनल असेंबली के बंद कमरे में बुलाई गई बैठक में दोहराई गई। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, संसदीय समिति के सदस्य, राजनीतिक नेता, सेना प्रमुख, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के महानिदेशक, प्रमुख संघीय मंत्री और सैन्य और खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पीटीआई नेतृत्व, महमूद खान अचकजई और अख्तर मेंगल ने बैठक से दूरी बनाकर रखी। यह बैठक जाफर एक्सप्रेस पर आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री की सलाह पर बुलाई गई थी।

इस बैठक में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कठोर रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक देश 'नरम राज्य' के नाम पर अनगिनत बलिदान देता रहेगा। मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा कि पीटीआई के नेतृत्व वाली सरकार प्रांत में किसी भी ऑपरेशन की अनुमति नहीं देगी, चाहे कुछ भी हो जाए।

उन्होंने कहा कि पहले भी ऑपरेशन किए गए हैं, लेकिन वह फायदेमंद नहीं रहे हैं। इसके बजाय उन्होंने नुकसान पहुंचाया है। गंडापुर ने कहा कि केवल आतंकवादियों को मारना समाधान नहीं है। आतंकवादियों को पनाह देने वालों का चेहरा भी बेनकाब करना होगा।

स्थानीय समाचार

चारधाम यात्रा-2025 हेतु ऑनलाईन आधार आधारित पंजीकरण प्रारम्भ

नई दिल्ली। चारधाम यात्रा-2025 में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु ऑनलाईन आधार आधारित पंजीकरण प्रारम्भ कर दिया गया है।यह निर्णय धामोंपरयात्रा करने वाले यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाजनक दर्शन कराये जाने की दृष्टि से लिया गयाहै।

चारधाम यात्रा हेतु उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को अपनी पंजीकृत तिथि पर दर्शन लाभ प्राप्त हो सके।इसीक्रममें धामों पर टोकन द्वारा दर्शन की व्यवस्था भीकी गयी है

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के बीते ढाई महीने में सुरक्षाबलों के साथ हुई सात मुठभेड़ों में 100 नक्सली हुए ढेर

जगदलपुर, 20 मार्च (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खात्मे की घोषणा लगभग साल भर पहले हुई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा। इस तय लक्ष्य को पाने के लिए बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाकों को नक्सलवाद से मुक्त कराने के लिए छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का अभियान अनवरत जारी है। लगातार हो रही मुठभेड़ों से नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर सुरक्षाबलों को एक के बाद एक बड़ी कामयाबी मिल रही है। बस्तर संभाग के बीजापुर और कांकेर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच गुरुवार 20 मार्च दोपहर तक 30 नक्सली ढेर हुए हैं। वर्ष 2025 में अब तक 100 नक्सली मारे जा चुके हैं।

बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में वर्ष 2025 के बीते ढाई महीने में कुल सात मुठभेड़ों में अब तक कुल 100 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है। इतने कम वक्त में नक्सलियों के खात्मे का सबसे बड़ा शतकीय आंकड़ा का रिकार्ड बनाने में सुरक्षाबल सफल रहे हैं। इसी तरह पिछले वर्ष 2024 में कुल 16 मठभेड़ों में 203 नक्सलियों के सफाया करने का सर्वाधिक रिकार्ड बनाया था। वर्ष 2025 में मारे जा रहे नक्सलियों के आंकड़े को देखते हुए कहा जा सकता है कि बस्तर संभाग नक्सलियों के सफाये की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने राजभाषा में उत्कृष्ट योगदान के लिए 49 रेल कर्मियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 20 मार्च (हि.स.)। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने गुरुवार को राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 49 रेल कर्मियों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व मध्य रेल को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड प्रदान की जबकि उत्तर रेलवे को रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी प्रदान की गई।

आदर्श उत्पादन इकाई श्रेणी में बनारस रेल इंजन कारखाना को प्रथम और आरडीएसओ लखनऊ को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

मंडल श्रेणी में रतलाम मंडल को आचार्य महावीर प्रसाद रनिंग शील्ड दी गई। रेल स्प्रिंग कारखाना, उत्तर मध्य रेल को आदर्श स्टेशन व कारखाना श्रेणी में रेल मंत्री राजभाषा शील्ड दी गई। क्षेत्र में दक्षिण मध्य रेल को प्रथम और दक्षिण पश्चिम रेलवे को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया, जबकि आदर्श उत्पादन इकाइयों में रेल पहिया कारखाना बेंगलुरु और चितरंजन रेल इंजन कारखाना को पुरस्कृत किया गया।

सतीश शर्मा ने टीसी कार्यालय जम्मू में केंद्रीकृत ड्राइविंग लाइसेंस/आरसी प्रिंटिंग सेंटर का उद्घाटन किया

जम्मू 20 मार्च। परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने डीएल और आरसी की छपाई के लिए जम्मू के परिवहन आयुक्त कार्यालय में केंद्रीकृत ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रिंटिंग सेंटर का उद्घाटन किया।

मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में यह पहली बार है, जब वाहन मालिकों को पीवीसी कार्ड टाइप आरसी जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लंबित डीएल का निपटारा 90 दिनों में किया जाएगा।

मंत्री ने जनता को त्वरित सेवा प्रदान करने और उनकी शिकायतों के त्वरित निवारण में एमवीडी के प्रयासों की सराहना की।

मंत्री ने पुरानी, प्रदूषणकारी बसों/मिनी बसों को बदलने के लिए 5 लाख रुपये की सब्सिडी प्रदान करने, एग्रीगेटर लाइसेंस जारी करने जिसके तहत लाइसेंस जारी किए गए हैं जिनमें ओला और उबर जैसी राष्ट्रीय कंपनियां भी शामिल हैं, क्रमशः कोट भवाल, जम्मू और सांबा में पूरा होने वाले मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफड्राइवर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च और ऑटोमेटेड व्हीकल इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेट सेंटर जैसी मोटर वाहन विभाग की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

सतीश शर्मा ने डवत्ज्भ् दिशा-निर्देशों के तहत एमवीडी की आगामी पहलों पर प्रकाश डाला, जो स्वचालित परीक्षण स्टेशन हैं जिसके तहत प्रारंभिक पंजीकरण जम्मू-कश्मीर घाटी में एटीएस की स्थापना के लिए जेकेआरटीसी को प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, सार्वजनिक परिवहन वाहनों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए निर्भया फ्रेमवर्क के तहत वाहन स्थान ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म, पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा जिसके लिए जम्मू-कश्मीर आरवीएसएफ नीति अधिसूचना के अंतिम चरण में है जिसके तहत पुराने, अप्रचलित, जीवन के अंत के वाहनों को वैज्ञानिक और गैर-प्रदूषणकारी तरीके से स्क्रैप किया जाएगा, मान्यता प्राप्त ड्राइवर प्रशिक्षण केंद्र जो इच्छुक ड्राइवरों को सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद, आरटीओ/एआरटीओ द्वारा डीएल जारी करने के लिए ड्राइविंग कौशल परीक्षा से छूट दी जाएगी।

मंत्री ने कहा कि डीएल की बकाया छपाई को पूरा करने के लिए श्रीनगर में डीएल/आरसी प्रिंटिंग सेंटर को 30 दिनों के भीतर कार्यात्मक बनाया जाएगा।

मंत्री ने जम्मू-कश्मीर सड़क सुरक्षा नीति को संशोधित करने के लिए विभाग के प्रयासों की भी सराहना की और सभी राज्य धारकों को जम्मू-कश्मीर सड़क नीति-2025 के अनुसार सड़क सुरक्षा उपायों का पालन करने का निर्देश दिया, ताकि 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को 50 प्रतिषत तक कम किया जा सके।

इस कार्यक्रम में परिवहन सचिव नीरज कुमार, परिवहन आयुक्त विशेष पॉल महाजन, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त अरुण किशोर कोतवाल, आरटीओ जम्मू जसमीत सिंह, विक्रेता के प्रतिनिधि और टीसी कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

सब्जियों के लिए नर्सरी स्थापना

आज का युग फैशन का युग है हर कोई अच्छा दिखना और रहना चाहता है. और ऐसा होना भी चाहिए, कोई पैसा कमाता क्यों है ? ताकि वह अच्छे से जीवन यापन कर सके, अपने शौक पूरे कर सके, अच्छा पहन सके, अच्छा खा सके, और अपनी हर ख्वाइश पूरी कर सके. हर किसी को एक खूबसूरत माहौल में जीवन बिताना अच्छा लगता है, और अपने आस-पास की खूबसूरती बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है, अपने आस-पास सुंदर पेड़ लगाना, अच्छी खुशबू और फूलों के रंग बिरंगे रंगो से घिरे रहना. आज-कल कई ऐसे तरह के पौधे आते है, जो आपके घर की शोभा भी बढ़ाते है. मनुष्य की इसी मांग से आज के समय में नर्सरी का व्यापार पहचान में आया, जिसे कई लोगों ने शुरू कर अच्छा खासा मुनाफा भी कमाया है.

नर्सरी उपजाऊ जमीन का एक छोटा सा हिस्सा होता है, जहां बीज या अन्य साधनों के माध्यम से पेड़ो को तैयार किया जाता है, और इन तैयार पेड़ो को किचन, बगीचे या अन्य व्यापारिक उद्देश्य से बाजार में बेचा जाता है. यहाँ अच्छी गुणवत्ता के बीजों से पेड़ों को तैयार किया जाता है, और तब तक उनका ध्यान रखा जाता है, जब तक की वे घरों में खेतों में लगाने लायक ना हो जाए. नर्सरी में कई तरह के पेड़ों जैसे सजावट के पेड़, फलों के पेड़, फूल के पेड़ आदि को तैयार किया जाता है और बेचा जाता है.

▶▶ प्लांट नर्सरी व्यापार के उद्देश्य

इस व्यापार का उद्देश्य खेतों, घरों और अन्य उद्देश्य के लिए अच्छी किस्म के पौधे या बीज उपलब्ध करवाना है, ताकि अच्छे पेड़ और फसल तैयार हो सकें. इसके अलावा किसी भी अन्य व्यापार की तरह इसका एक उद्देश्य बाजार में पेड़ बेचकर लाभ कमाना भी है.

▶▶नर्सरी के व्यापार में लगने वाली आवश्यक चीजें

हर व्यापार में आपको कुछ चीजों की जरूरत होती है, ताकि आप अपने व्यापार को सुचारु रूप से चला सके. इस व्यापार में लगने वाली आवश्यक चीजें निम्न है.

जगह – किसी भी व्यापार के लिए जगह सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जहां आप अपने काम के संबंधित प्रक्रिया पूर्ण करते है. नर्सरी के व्यापार में भी आपको पौधे को लगाने और उन्हे तैयार करने के लिए जगह की आवश्यकता होती है, इसके अलावा यदि आप पौधे को गमले मे लगाते है, तब भी उन गमलों को रखने के लिए आपको जगह की आवश्यकता होगी. परंतु इसके लिए आपको अलग से जगह का प्रबंध करने की बिलकुल आवश्यकता नहीं है, आप चाहें तो छोटे स्तर पर अपने घर के आँगन में भी इसे शुरू कर सकते है.

मिट्टी – पौधे को लगाने के लिए मिट्टी महत्वपूर्ण चीज है, इसके बिना यह व्यापार संभव नहीं है. और अगर आपको बागबानी की जानकारी है, तो आपको मालूम होगा, कि केवल प्लेन मिट्टी में पौधे को लगाने से वे ठीक तरह से नहीं पनप पाते, इसलिए इनके अच्छे से पोषण के लिए आपको मिट्टी में रेत, खाद आदि अन्य चीजें मिलाकर उसे तैयार करना पड़ता है.

रसायनिक और जैविक खाद – आपको अपने पौधे और बीजों की रक्षा विभिन्न बीमारियों करना आवश्यक है, इसलिए इस व्यापार में आपको विभिन्न कीटनाशक, जीवनाशक और अन्य रसायनों की जरूरत पड़ेगी. इसके अलावा अपने पौधो को उचित पोषण देकर उन्हे तैयार करने के लिए आपको उचित मात्रा में रासायनिक और जैविक खाद की भी आवश्यकता पड़ेगी.

आवश्यक मशीन और उपकरण – इस व्यापार में आपको कुछ जरूरी उपकरणों की भी आवश्यकता होती है, जो आपका व्यापार चलाने के लिए आवश्यक होते है और आपके काम को सरल बनाते है. इस व्यापार में आपको पौधे को पानी देना, उनकी कटाई करना, उन्हे ट्रांसपोर्ट करना आदि रोजाना करना होता है, तो इन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बाजार में कई तरह के स्वचालित उपकरण मौजूद है, जिन्हें आप अपने काम को आसान बनाने के लिए खरीद सकते है. परंतु इन उपकरणों की खरीददारी और इनका प्रयोग पूर्ण रूप से आपके उद्योग के बजट पर निर्भर करता है.

काम करने वाले मज़दूरों की आवश्यकता – इस व्यापार में आपको कई काम जैसे मिट्टी को तैयार करना, पौधे को लगाना, उनकी कटाई करना, कीटनाशक का छिड़काव करना आदि साथ में करने होते है. इसलिए यह सब अकेले संभव नहीं है इसके लिए आपको अपनी सहायता के लिए अन्य व्यक्ति की आवश्यकता होगी, जिनका चयन आप अपने हिसाब से कर सकते है.

▶▶नर्सरी में लगाए जाने वालें पौधे

अपने बगीचे में विभिन्न तरह के फूल और पौधों को बीज की सहायता से तैयार करने में बहुत ही मेहनत और समय लगता है. परंतु एक सत्य यह भी है कि एक पौधा बहुत ही कम रख-रखाव, देख-रेख और पैसों से बड़ा हो जाता है. आप इस व्यापार को किसी भी जगह शुरू कर सकते है और अधिकतर व्यक्तियों के द्वारा इसे खरीदे जाने के कारण यह व्यापार मांग में भी बना रहता है और आपको लाभ देता है. प्लांट नर्सरी बिज़नस को तीन प्रकार में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार है-

स्ट्रेच प्लांट नर्सरी – स्ट्रेच प्लांट नर्सरी वह नर्सरी है, जिसमें किसी व्यक्ति विशेष को उसकी कमाई के लिए पेड़ बेचे जाते है. इस नर्सरी में वह पौधे बेचे जाते है, जो समान्यत: घरों या ऑफिस के अंदर या बाहर रखे जाते है. यह नर्सरी एक सीमित एरिया में लगाई जाती है और इसमें समान्यत: किसी बड़ी नर्सरी से पौधे खरीदकर पुन: ग्राहक को बेचे जाते है.

व्यापारिक नर्सरी – समान्यत: इस प्रकार कि नर्सरी के लिए आपको बहुत बड़ा निवेश करना होता है. इस प्रकार की नर्सरी में बहुत अधिक संख्या में और बड़े स्तर पर पेड़ तैयार किए जाते है, और यहां तैयार पौधों और बीजों को किसानों को खेती के उद्देश्य के लिए बेचा जाता है. इसके अलावा इस नर्सरी के द्वारा विभिन्न सरकारी प्रोजेक्ट में ट्री प्लांटेशन भी किया जाता है और यही से विभिन्न छोटी नर्सरी में तैयार पौधे भी सप्लाइ किए जाते है.

लैंडस्केप प्लांट नर्सरी – इस प्रकार की नर्सरी में ग्राहको को बागबानी की सेवा उपलब्ध कराई जाती है. यह नर्सरी आपके घरों में उपलब्ध बगीचे में बागबानी की ज़िम्मेदारी लेती है और ग्राहक की पसंद के हिसाब से पौधे तैयार करती है.

▶▶आवश्यक योग्यता –

अगर आप अपने व्यापार में सफलता चाहते है, तो आपको उसके संबंध में कुछ सामान्य चीजों का ज्ञान होना आवश्यक है. इसी प्रकार से इस व्यापार में भी आपमें निम्न योग्यता होना आवश्यक है.

इस व्यापार के लिए आपको विभिन्न पौधों के संबंध में पूर्व ज्ञान आवश्यक होता है, ताकि आप उन्हे लगाकर उनकी उचित देखभाल कर पाये.

बहुत सी प्रजाति के पौधों को अलग तरह की सिंचाई, तापमान और देखरेख की जरूरत होती है, इसलिए आपके लिए आवश्यक है, कि आप इस व्यापार को शुरू करने से पहले इसका उचित ज्ञान ले ले.

इसके अलावा अगर आप यह व्यापार शुरू करना चाहते है, तो आपके लिए यह आवश्यक है कि आप इसके लिए आवश्यक विभिन्न उपकरण खरीदने में समर्थ हो, ताकि इसके लिए सिंचाई, निंदाई, कटाई और तापमान नियंत्रण जैसी चीजें संभव हो सके.

इसके अलावा आपको पेड़ों में होने वाली विभिन्न बीमारियों और उसमें प्रयोग होने वाले कीटनाशकों के बारे में भी जानकारी होना आवश्यक है.

इसके अलावा व्यापार को चलाने के लिए आप मे विभिन्न मार्केटिंग और प्रबंधन योग्यता का होना भी आवश्यक है. क्योकि इसके न होने पर आपके द्वारा व्यापार में निवेश किया पैसा व्यर्थ होगा.

कोई भी व्यापार तभी सफल होता है, जब आपके पास उसके लिए पर्याप्त ग्राहक उपलब्ध हो. अगर आपके पास आपके पौधों को उचित दाम में खरीदने वाले ग्राहक ना हो, तो आपका व्यापार और उसमें किया गया निवेश व्यर्थ होता है. इस व्यापार के लिए आप मार्केटिंग के निम्न तरीके अपना सकते है, ताकि आप अपना सामान बेचकर उचित लाभ कमा सके.

सर्वप्रथम आपको अपने आस पास की जगह का निरीक्षण करके यह देखना होगा, कि आपके व्यापार के लिए आपकी जगह में क्या संभावनाएं है. आपको यह देखना होगा कि आपकी जगह में कितने घर और ऑफिस है, जहां आप अपनी सेवा दे सकते है, जहां आप अपने पौधे बेच सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप विभिन्न पार्टी, शादी समारोह में अपने यहाँ तैयार पौधों के गमलों द्वारा सजावट कर सकते है, जिससे लोगों को आपके व्यापार के बारे में पता चलेगा और आपके ग्राहक बढ़ेंगे.

विभिन्न किसानों को अपने ग्राहक बनाने के लिए आप कुछ गाँवो में जागरूकता सेमिनार आयोजित कर सकते है जिसमें आप उन्हे जैविक खाद बनाने उसके प्रयोग, विभिन्न बीजों कि जानकारी देने के साथ ही अपने व्यापार का प्रमोशन भी कर सकते है.

आप अपने व्यापार में प्रयोग होने वाले सामान जैसे मिट्टी, खाद और अन्य रसायन बाजार में उपलब्ध अन्य सप्लायर के मुक़ाबले कम दामों में देकर भी अपने व्यापार का प्रमोशन कर सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप किसी फूलों की दूकान वाले से भी संपर्क कर सकते है.

(Source: businessideashindi कृषि एवं फार्मिंग)

▶▶सब्जियों के लिए नर्सरी स्थापना पौध प्रतिरोपण तथा प्रबंधन

सब्जियों में कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके बीज को सीधे खेत में बोया जाता है क्योंकि इन फसलों का रोपा तैयार करके रोपाई के समय जो आघात लगता है उसको सहने की क्षमता नहीं होती। जैसे – भिण्डी, सेम, मटर, फ्रेंचबीन आदि। दूसरी तरफ कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके पौध तैयार कर खेत में रोपाई की जा सकती है। जैसे- टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, पत्तागोभी, फूलगोभी, गांठगोभी आदि। इन सब्जियों के पौधों में रोपाई के समय लगने वाले आघात को सहने की क्षमता पायी गई है। अत: इन पौधों के बीजों को शुरू में पौधशाला (नर्सरी) में बोया जाता है लेकिन नर्सरी में पौधों को तैयार करना एक कला है।

▶▶पौधशाला (नर्सरी)

नर्सरी एक ऐसी स्थल है जिसके लिये आदर्श जलवायु, भूमि तथा सिंचाई व्यवस्था आवश्यक है। नर्सरी का उद्देश्य आदर्श पौधे तैयार करना है। अत: नर्सरी प्रबंध उचित ढंग से करना आवश्यक है। नर्सरी का उचित प्रबंध तथा पौध प्रतिरोपण सब्जी उत्पादन के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। नर्सरी तैयार करने के लिये निम्न कारकों पर समुचित ध्यान देना आवश्यक है।

▶▶सब्जियों की नर्सरी के प्रकार

1- ऊपर उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बेड) वर्षा एवं ठंड के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु रेज्ड बेड क्यारियां बनाते हैं।

2- समतल क्यारियां (फ्लैट बेड) गर्मी के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु समतल क्यारियां बनाते हैं।

सब्जियों की पौध नर्सरी में लगभग एक मीटर चैड़ी क्यारियों में उगाई जाती है। इस हेतु मृदा का अच्छी भौतिक दशा वाला होना आवश्यक है। मिट्टी हल्की भुरभुरी व पानी को सोखने वाली होनी चाहिये। सतह पर जल्दी सूखने वाली होनी चाहियें, पर वैसे एकदम सूख जाने वाली भी होनी

चाहिये। उसमें पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व होने चाहिये।

एक समान और अच्छे अंकुरण के लिये मिट्टी का महीन नम और भली-भांति बैठा हुआ होना आवश्यक है।

मिट्टी में अच्छी कार्बनिक खाद जैसे-पकी हुई कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाई जानी चाहिये। गमलों, बक्सों आदि में भरने के लिये उपयुक्त एक अच्छे मिश्रण में 2 भाग मिट्टी, 1 भाग बालू तथा 1 भाग पत्तियों की खाद होनी चाहिये। नर्सरी क्यारियों की मिट्टी को किनारे से दाब कर अच्छी तरह बैठा देना चाहिये अन्यथा वह सिंचाई या भारी वर्षा के कारण कटने लगती है। खुले में बनी क्यारियों की चौड़ाई इतनी होनी चाहिये कि नर्सरी में घुसे बगैर निंदाई करने तथा पानी देने में कठिनाई न हों।

सर्वप्रथम उपरोक्तानुसार क्यारियां तैयार करने के बाद 10 मि.ली फॉर्मेलिन एक लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें। इस घोल को नर्सरी की क्यारियों पर लगातार छिड़कते रहें ताकि क्यारियों की ऊपरी 15 सें.मी. तह की मिट्टी दवा के घोल से संतृप्त हो जाए। छिड़काव के तुरन्त बाद क्यारियों को पॉलिथीन शीट पर अनुपयोगी बोरों से ढंक दें ताकि फॉर्मेलिन व्यर्थ न जाकर मृदा में ही समा जाए। छिड़काव के सात दिन बाद ढंके हुए बोरों या पॉलिथीन शीट को हटा लें। क्यारियों को फावड़े से गुड़ाई कर सात दिनों तक खुला छोड़ दें, तदुपरान्त क्यारियों को समतल करने के बाद ही बीजों की बुवाई की जा सकती है। बुवाई के बाद हाथ से या लकड़ी की छोटी पटिया से क्यारी को समतल कर ताकि बोया हुआ बीज अच्छी तरह से ढक जाय। इसके पश्चात क्यारी पर सूखी घास फैला दे ताकि क्यारी को सींचते समय बीज और मिट्टी बह न जाए। बोने के तुरन्त बाद फव्वारे के रूप में सींच दें।

ज्यादतर सब्जियों के पौध बुवाई के 25 से 30 दिन पश्चात् लगाने लायक हो जाते हैं। सिर्फ प्याज के पौध लगाने के लिये तैयार होने में 45 दिन का समय लगता है।

नर्सरी के बीज बोने से पहले बीज का उपचार थाइरम नामक फफूंदनाशक दवा से किया जाये। बीजोपचार के लिये 2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से करना अतिआवश्यक है।

नर्सरी क्यारियों में बीज बिखेर कर नहीं बोना चाहिए। बीज को पंक्तियों में बोना चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बीज बोते समय हवा न बह रही हो। पौधों को सूखने से बचाना चाहिए तथा बीज बोने के बाद बहुत हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बुवाई के बाद नव अंकुरित पौधों को आर्द्र पतन रोग से भी काफी डर रहता है। अत: बीजों को पंक्तियों में क्यारी की चौड़ाई में बनी आकार नालियों में बोना चाहिए। बीज बोने के लिये बनाई गई पंक्ति में बीज के आकार और किस्म के अनुसार 5 – 7 सेंमी की दूरी पर बोनी चाहिए। ऐसा करने से खरपतवारों को उखाड़ रोगों की रोकथाम और प्रतिरोपण के लिए पौध निकालने में सुविधा रहती है। बीज कितनी गहराई में डाला जाए यह बीज के आकार और मिट्टी के प्रकार पर निर्भर है। कुछ छोटे बीजों को बोने से पूर्व थोड़ी सी बालू के साथ मिला लेना चाहिए और बोने के बाद यदि आवश्यक हुआ तो मिट्टी खाद मिश्रण की एक बहुत पतली परत से उसे बंक देना चाहिए।

STOP ...!
MOSQUITO BREEDING
PREVENT MALARIA, DENGUE & CHIKUNGUNYA

- Do not allow water to stagnate in and around your surroundings.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Get your Blood tested from Govt. Hospital/ Health Worker in case of Fever with chills, rigors and headache.
- Empty water coolers once in a week.
- Discard/destroy Junk items like old tyres etc.
- Empty air coolers, drums, flower pots and birds bath weekly.
- Use Mosquito repellent creams and Bed nets while sleeping.
- Use netted screens on doors and windows.
- Wear full body clothes to prevent mosquito bites.
- Improve basic sanitation.

Symptoms

- **Dengue :** High fever, frontal headache, pain behind the eyes worsening with eye movement, muscle & joint paints, rash on the body, pain abdomen, nausea, vomiting, bleeding and low BP in severe cases.
- **Chikungunya :** Fever, joint paints, muscle pain, fatigue, headache, rash.
- **Malaria :** High grade fever with chills, sweating, headache, vomiting convulsions, weakness.

Visit nearby Health Institution if any of above diseases is suspected.
Investigations & Treatment are free of cost in Govt. Institutions

DIP/J-11258/24
Dtd:20-3-2025

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY :
STATE PROGRAMME OFFICER/STATE MALARIOLOGIST, J&K
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES JAMMU

Printed at Ranbir Government Press, Jammu